दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 295 | ग्वालियर , रविवार 29 नवम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ 25 हजार का इनामिया एकलाख को लगी गोली

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में शनिवार की शाम पुलिस व बदमाशों में मुठभेड़ हो गई। इस घटना में 25 हजार के इनामिया बदमाश एकलाख वारसी को गोली लगी है जबकि एसओजी का एक सिपाही भी घायल है। मुठभेड़ के दौरान दो बदमाश पुलिस को झांसा देकर फरार हो गए। गौरीबाजार के सिरजम चौराहे के पास बदमाशों के सक्रिय होने की सूचना पर गौरीबाजार पुलिस व एसओजी टीम ने शनिवार की शाम करीब चार बजे घेराबंदी की थी। इसी दौरान बाइक से जा रहे संदिग्धों को पुलिस ने रोकना चाहा तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए बदमाशों पर फायरिंग कर पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाश बाइक से सिरजम-पथरहट मार्ग की तरफ भागने लगे तो पुलिस ने पीछा किया। भागते समय एक बदमाश को बाएं पैर में गोली लग गई जिससे वह बाइक से गिर गया, जबकि दो बदमाश फरार हो गए। इस दौरान एसओजी में तैनात सिपाही धनंजय भी घायल हो गए। पुलिस दबोचे गए बदमाश व घायल सिपाही को लेकर जिला अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंची। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ. श्रीपति मिश्र भी इमरजेंसी पर पहुंच गए। एसपी ने बताया कि दबोचा गया बदमाश एकलाख वारसी पुत्र हसमुद्दीन शेख निवासी भरवलिया बरपार थाना रामपुर कारखाना का रहने वाला है। वह सीएसपी संचालक सर्वेश्वर पटेल हत्याकांड का मास्टर माइंड है। उसे पैर में गोली लगी है जबकि एसओजी का एक सिपाही घायल है। एसपी ने बताया कि दबोचा गया बदमाश 18 नवंबर को सीएसपी संचालक की हत्या व 5.40 लाख रुपए की लूट की घटना में शामिल था। उस पर पुलिस ने 26 नवंबर को 25 हजार का इनाम घोषित किया था। मामले का खुलासा करते हुए 23 नवंबर को पांच बदमाश जेल भेज दिए गए थे।

चिटफंड कंपनी के जरिए अरबों ठगकर मुंबई में बनाया आलिशान होटल, अब पुलिस की राडार पर

नई दिल्ली। भोपाल में चिटफंड कंपनी चलाकर लोगों को ठगने वालों का पर्दाफाश हुआ है। अपनी कंपनी के जरिए पांच साल में शातिर अपराधी ने लोगों से 100 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। आरोपियों का नाम विनोद तिवारी और अंगद कुशवाहा है। दरअसल, श्रीस्वामी विवेकानंद मल्टी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी चिटफंड कंपनी की ओर से अधिकारियों को लग्जरी वाहन दिए गए थे। इन वाहनों को दिखाकर कंपनी के अधिकारी लोगों को लालच देते थे कि ऐसे वाहन आप भी ले सकते हो, कंपनी में निवेश करो और रकम दोगुनी करवाओ। बता दें, आरोपी दिसंबर में पूरे प्रदेश की ब्रांच से पैसा लेकर मुंबई भागने की फिराक में थे। उससे पहले ही उनके गोरखधंधे का पर्दाफाश हो गया और आरोपित पुलिस के हत्थे चढ़ गए। उनका अन्य प्रदेशों में भी नेटवर्क मिला है। पिपलानी पुलिस की टीमें जांच के लिए महाराष्ट्र के लातूर, नागपुर पहुंच गई हैं। पुलिस ने आरोपितों के लग्जरी वाहन जप्त कर लिए हैं। विनोद तिवारी और अंगद कुशवाहा की चिट फंड की कंपनी आरबीआइ गाइडलाइन का पालन नहीं कर रही थी। पुलिस को पूरे प्रदेश में कंपनी की 21 शाखाओं के बारे में जानकारी मिली है। आरोपितों ने जो रकम ग्राहकों से फर्जीवाड़े के जरिए जमा करवाई थी, उसमें से कुछ रकम नागपुर और लातूर में निवेश की गई है। इसकी जानकारी जुटाने के लिए पिपलानी पुलिस उक्त शहरों में पहुंच गई है।

मप्रः डंपर और टैंपो में टक्कर के बाद लगी आग, तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में देवास जिला मुख्यालय से करीब 14 किलोमीटर दूर इंदौर-भोपाल राजमार्ग पर भौंरासा फाटे के समीप डंपर व टैंपो ट्रेवलर में आमने सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों ही वाहनों में आग लग गई। आग से टैंपो ट्रेवलर में फंसे तीन लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) किरण शर्मा ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार- शनिवार की दरम्यान रात को एक बजे के आसपास हुई; हादसे की सूचना मिलते ही देवास, भौंरासा व सोनकच्छ से पुलिस बल मौके पर पहुंच गया, फायर ब्रिगेड के माध्यम से आग बुझाई गई, लेकिन तब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि रात करीब एक बजे भोपाल से आ रही टैंपो ट्रेवलर सामने गलत दिशा से आ रहे डंपर से टकरा गई; टक्कर होते ही दोनों वाहनों में आग लग गई। उन्होंने बताया कि डंपर का चालक घटनास्थल से फरार हो गया जबकि जबकि ट्रेवलर में तीन लोग फंस गए, आग की लपटे तेज होने से उनकी वाहन में ही जलने से मौत हो गई। शर्मा ने बताया सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा, मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल ले जाए गए।

हाथियों के झुंड से भटक कर जबलपुर पहुंचे दो हाथियों में से एक की मौत

जबलपुर। उड़ीसा से छत्तीसगढ़ होते हुए मध्य प्रदेश के मंडला और फिर जबलपुर जिले की सीमा में घूम रहे दो हाथियों में से एक हाथी की दर्दनाक मौत हो गई, मृत हाथी का शव मोहास गांव से लगे जंगल में पाया गया। इधर मौत की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों को जैसे ही जानकारी मिली की पास के जंगल में एक मृत हाथी पड़ा हुआ है तो उन्होंने वन विभाग को इसकी सूचना दी, वहीं वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर जब जांच शुरू की तो पाया कि हाथी के दोनों दांत जमीन में गड़े हुए थे,और उसकी सूंड दबी थी। जानकारी के मुताबिक, बीते कुछ दिनों से बरगी से लगें इलाके में घूम रहे दोनो जंगली हाथी रहवासी इलाके में आ जाने के चलते बेचैन होकर यहां-वहां भटक रहे थे। जंगली हाथी की अचानक हुई मौत से वन्य प्राणी प्रेमियों में खास आक्रोश है,वन्य प्राणी प्रेमीयो की मानें तो निश्चित रूप से हाथी की मौत के लिए वन विभाग दोषी है।

ओवैसी के गढ़ में योगी का जबरदस्त स्वागत; गूंजा

आया-आया शेर आया का नारा, छतों से फूलों की बारिश

तेलंगाना लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो के दौरान 'आया आया शेर आया.... राम लक्ष्मण जानकी, जय बोलो हनुमान की', योगी-योगी, जय श्री राम, भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारे लगे। यूपी के सीएम को देखने के लिए लोग इतने उत्साहित थे कि सड़कों, घरों की छतों और खिड़कियों पर जमा थे। वहीं से हाथ हिलाकर उनका अभिवादन कर रहे थे। पूरे रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। तेलंगाना के हैदराबाद में एआईएमआईएम के अध्यक्ष असउद्दीन ओवैसी के गढ़ में सीएम योगी का जबरदस्त स्वागत हुआ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के जीदीमेतला में निकाय चुनाव (ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपिल कारपोरेशन) में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में रोड शो किया। रोड शो के दौरान राष्ट्रवादी नारे गूंजते रहे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर लोग घरों की छतों से फूलों की बारिश भी कर रहे थे। भाजपा कार्यकर्ता पूरे जोश से लबरेज 'चेंज हैदराबाद' के पंफलेट हाथों में लिए थे। इस दौरान जिधर भी नजर जा रही थी, हर तरफ भगवा ही भगवा नजर आ रहा था। सीएम योगी ने रोड शो से पहले संविधान निर्माता बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद वह रोड शो के लिए बस पर सवार हुए। इस दौरान सीएम योगी ने विक्ट्री साइन बनाकर और हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

इसी नगर निगम से आता है तेलंगाना की जीडीपी का बड़ा हिस्सा- ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपिल कारपोरेशन का चुनाव भाजपा पहली बार इतनी मजबूती से लड़ रही है। यहां चुनाव भाजपा और टीआरएस के बीच माना जा रहा है। कांग्रेस तीसरे नंबर की पार्टी बन गई है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि भाजपा यहां अच्छी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम करीब 24 विधानसभा सीट में फैला है और इसका सालाना बजट करीब साढ़े पांच हजार करोड़ है। तेलंगाना की जीडीपी का बड़ा हिस्सा यहीं से आता है।

एक दर्जन राज्यों में चुनाव प्रचार कर चुके योगी- इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुनावों में डिमांड देश के अलग-अलग राज्यों से आती है। वह अभी तक केरल, कर्नाटक, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मणिपुर, मध्य प्रदेश के साथ बिहार और दिल्ली के विधानसभा चुनावों में भी भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार कर चुके हैं।

सिंधु बॉर्डर पर डटे रहेंगे प्रदर्शनकारी किसान, हर रोज तय करेंगे रणनीति

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों ने सिंधु बॉर्डर पर डटे रहने का फैसला लिया है. ये निर्णय शनिवार को हुई किसान नेताओं की बैठक में लिया गया. भारतीय किसान यूनियन, पंजाब के महासचिव हरिन्दर सिंह ने इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि हमने प्रदर्शन जारी रखने का फैसला लिया है. हम कहीं और नहीं जाएंगे. हरिन्दर सिंह ने कहा कि हर रोज सुबह 11 बजे हम आगे की रणनीति तय करेंगे. हरिन्दर सिंह ने कहा कि सिंधु बॉर्डर पर किसानों की बैठक खत्म हो गई है. हमने

प्रदर्शन जारी रखने का फैसला लिया है. हम कहीं और नहीं जाएंगे. उन्होंने कहा कि हम हर रोज सुबह 11 बजे बैठक करेंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे. बता दें कि हरियाणा के रास्ते दिल्ली की ओर कूच कर रहे किसानों को शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश की इजाजत मिल गई थी. उन्होंने बुराड़ी के निरंकारी ग्राउंड में जाने की अनुमति मिली. लेकिन किसान इसके लिए तैयार नहीं हुए. वो वहां जाने से इनकार करने लगे. प्रदर्शनकारी किसान शुक्रवार से ही सिंधु बॉर्डर पर डटे हुए हैं. उन्होंने रात भी सिंधु बॉर्डर पर गुजारी.

किसानों के नाम पर राजनीति न करें पार्टियां

सरकार बातचीत करने को तैयारः कृषि मंत्री तोमर

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों के किसानों के जारी प्रदर्शन के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने एक बार फिर से किसानों को बातचीत का न्योता दिया है। इसके साथ ही, तोमर ने राजनीतिक दलों पर किसानों के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, सरकार किसान संघों के साथ बातचीत के लिए तैयार है, ताकि उनके मुद्दों को हल किया जा सके। हमने उन्हें 3 दिसंबर को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। मुझे उम्मीद है कि वे बैठक में आएंगे। तोमर ने आगे कहा कि मैं राजनीतिक दलों से किसानों के नाम पर राजनीति नहीं करने का आग्रह करता हूं। इससे पहले शुक्रवार को नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों से कहा था कि भारत सरकार उनसे चर्चा के लिए

तैयार थी, तैयार है और तैयार रहेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मैं सभी किसानों से आग्रह करता हूं कि सर्दी के मौसम में और कोविड के संकट में आंदोलन स्थगित करें और चर्चा का रास्ता अपनाएं। भारत सरकार उनसे चर्चा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी 2 चरण अपने स्तर पर, सचिव स्तर पर किसानों से वार्ता हो चुकी है। 3 दिसंबर को बातचीत के लिए किसान यूनियन को हमने आमंत्रण भेजा है।

सिंघू बॉर्डर पर लगा सात किलोमीटर लंबा जाम

केंद्र द्वारा लागू तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली जाने पर अड़े हजारों किसान गत 24 घंटे से सिंघू बॉर्डर पर जमे हुए जिसकी वजह से करीब सात किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। वहीं, सीमा पर जमे किसान दोपहर में बैठक कर आगे की रणनीति तय करेंगे। हरियाणा व दिल्ली पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग कर किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोक रखा है। हालांकि,सरकार ने दिल्ली के बुराड़ी स्थित निरंकारी मैदान में प्रदर्शन की इजाजत दे दी है, लेकिन किसान वहां जाने को तैयार नहीं है और बॉर्डर पर जमे हुए है।

कांग्रेस के अंतरिम कोषाध्यक्ष होंगे पवन बंसल अहमद पटेल के निधन से खाली हुआ था पद

नई दिल्ली। पांच बार के सांसद और वरिष्ठ नेता पवन कुमार बंसल कांग्रेस के अंतरिम कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं. सोनिया गांधी के सलाहकार और पार्टी के कोषाध्यक्ष अहमद पटेल के आकस्मिक निधन के कारण पद खाली हो गया था. कांग्रेस अध्यक्ष पद की तरह अभी कोषाध्यक्ष के पद भी अंतरिम व्यवस्था की गई है. पवन कुमार बंसल चंडीगढ़ से चार बार लोकसभा सांसद और पंजाब से राज्यसभा सांसद रहे हैं. उन्होंने ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पार्टी के रिसर्च एंड रेफरेंस सेल के अध्यक्ष के रूप में भी काम कर चुके हैं. बंसल का पहला बड़ा राजनीतिक अनुभव पंजाब युवा कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में था. इंडिया टुडे टीवी से बात करते हुए पवन कुमार बंसल ने कहा, मैं कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मुझ पर विश्वास किया और पूरी जिम्मेदारी के साथ कर्तव्य का निर्वहन किया. पेशे से वकील रह चुके पवन कुमार बंसल का जन्म 16 जुलाई 1948 को हुआ था. चंडीगढ़ संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बंसल चार बार लोकसभा के लिए यहां से चुने गए.

पापा के नक्शे कदम पर चले चिराग

भविष्यवाणी कर बोले-

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और जमुई सांसद चिराग पासवान ने अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान की तरह मौसम वैज्ञानिक के रोल में आ चुके हैं. उन्होंने भविष्यवाणी की है और कहा है कि बिहार की मौजूदा सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी और संभावना है कि 2025 से पहले ही बिहार में विधानसभा चुनाव होंगे. चिराग

पासवान ने आज लोक जन शक्ति पार्टी के स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं को पत्र लिखा है. चिराग ने कहा है कि हम सभी को 243 विधानसभा क्षेत्र की तैयारियों में अभी से लग जाना चाहिए, ताकि सभी सीटों पर पार्टी बिहार के लिए अपना भी विजन रख पाए. बिहार विधानसभा के अगले चुनाव 2025 से पहले भी हो सकते हैं. पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में चिराग ने हाल में ही संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर संतुष्टि व्यक्त की है. चिराग ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान जिस तरीके से पार्टी का प्रदर्शन रहा है, उससे स्पष्ट हो गया है कि पार्टी का विस्तार तेजी से हो रहा है. चिराग ने कहा, पार्टी को 24 लाख वोट और लगभग 6प्रतिशत मत अकेले प्राप्त हुए हैं जो लोजपा के विस्तार को साफ दिखाता है. बिहार में पार्टी ने बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के साथ कोई समझौता नहीं किया है. चिराग ने कहा कि चुनाव से पहले नए लोगों के पार्टी में जुड़ने की वजह से पार्टी और ज्यादा मजबूत हुई है.

गुंडों पर शिवराज का वार

बदमाश बबलू उर्फ बलराम माली का मकान प्रशासन ने तोड़ा

> इंदौर नगर निगम अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह के अनुसार भवरकुआं थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पालदा स्थित बबलू के इस मकान को गिराने जब पुलिस टीम नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पहुंचे तो बबलू के रिश्तेदार व परिवार वालों ने इसका विरोध किया।

इंदौर। योगी आदित्यनाथ की तरह अब शिवराज सरकार भी गुंडा विरोधी अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में ऐसे ही एक हिस्ट्रीशीटर के मकान पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। इंदौर के नामी गुंडे बबलू और बलराम माली के मकान को शनिवार 28 नवंबर की सुबह को धराशाई कर दिया गया। नगर निगम, पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही में बबलू के मकान को जमींदोज किया गया। बबलू पर इंदौर एवं आसपास के जिलों में कई अपराधिक मामले दर्ज है। इंदौर में अपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध शुरू किए गए अभियान गुंडा विरोधी अभियान के तहत लिस्टेड अपराधी एवं गुंडे बबलू राम माली का मकान भी तोड़ दिया गया। इसी अभियान की कार्यवाही के तहत कंप्यूटर बाबा का अवैध आश्रम भी तोड़ा गया था। इंदौर नगर निगम अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह के अनुसार भवरकुआं थाना क्षेत्र के

अंतर्गत आने वाले पालदा स्थित बबलू के इस मकान को गिराने जब पुलिस टीम नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पहुंचे तो बबलू के रिश्तेदार व परिवार वालों ने इसका विरोध किया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद बल प्रयोग कर अतिक्रमण विरोध इस कार्यवाही को अंजाम दिया गया। बबलू ने अपना मकान कई गुना अतिक्रमण कर रखा था। उसके मकान में कई दुकाने एवं किराएदारों के लिए रूम अतिक्रमण बनाये गए थे।

भोपाल में भी अवैध निर्माण गिराया- भोपाल रेलवे स्टेशन के समीप स्थित करोंद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ईरानी डेरे के अतिक्रमण को नगर निगम, पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन ने किया जमीदोज, जिसमें करीब 40 दुकानें, रेस्टोरेंट्स एवं होटल शामिल हैं। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के समीप स्थिति ईरानी डेरे का अतिक्रमण कई सालों से इसी तरह मुंह चिढ़ा रहा था।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

ग्वालियर, रविवार 29 नवम्बर 2020

दैनिक पुष्पांजली टुडे

संभाग 2

युवा क्रिकेटर ने जोरी ब्राम्हण गाँव का किया नाम रोशन

अण्डर 16 कैंप में हुआ चयन, 24 नवंबर से 17 दिसंबर तक खेलेंगा इंदौर के होल्कर स्टेडियम में

भिण्ड(ब्यूरो रिपोर्ट)। जिला भिण्ड डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के लिए खेल रहे युवा विकेटकीपर एवं बल्लेबाज सक्षम पुरोहित का अण्डर -16 कैंप का चयन मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन इंदौर के लिए हुआ है जिसकी सूचना जैसे ही अटेर क्षेत्र के गाँव जोरी ब्राम्हण के ग्रामीणजनों को लगी तो वह खुशी में झूम उठे। जानकारी के अनुसार सक्षम पुरोहित पुत्र जितेन्द्र पुरोहित शिक्षक निवासी जोरी ब्राम्हण हॉल बीरेन्द्र नगर का चयन अण्डर-16 कैंप मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन इंदौर के लिए होने की सूचना जैसे ही बीरेन्द्र नगर व जोरी ब्राम्हण के निवासियों को लगी तो वह खुशी में झूम उठे, और अपने गाँव के नाम होने से बेटा सक्षम के भविष्य की उज्जवल कामना की। सक्षम का सिलेक्शन अण्डर-16 मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन इंदौर के होल्कर स्टेडियम के लिए हुआ है जहाँ वह विगत दिनों इंदौर के लिए निकल गया है और 24 नवंबर से 17 दिसंबर 2020 तक चलने वाले क्रिकेट में भाग लेगा। सक्षम से जब अपने चयन के बारे में दूरभाष पर चर्चा की तो उसने अपने कोच रविशेखर कटारे को इस अनौखी उपलब्धि का श्रेय दिया। सक्षम के चयन होने पर चंबल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रशांत मेहता, उपाध्यक्ष एवं भिण्ड डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी, सीडीसीए के सचिव तस्लीम खान, संयुक्त सचिव नफीस अहमद, बीडीसीए के सचिव दिनेश चतुर्वेदी, सहसचिव आनंद द्विवेदी, कोषाध्यक्ष रज्जू शर्मा आदि लोगों ने सक्षम के उज्जवल भविष्य की कामना की।

निरीक्षण में अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त

पुष्पांजली टुडे-अंकित कुमार
पुष्पांजली टुडे-अंकित

इटावा- जिलाधिकारी व बरिष्ठ अधीक्षक ने शुक्रवार को जिला जेल का औचक निरीक्षण किया। लगभग 40 मिनट के निरीक्षण में अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त मिली। बंदियों की अधिक संख्या को देखते हुए कंबल की संख्या कम थी जिस पर जिलाधिकारी ने जल्द से जल्द बंदियों के लिए कंबल की व्यवस्था करने को कहा। निरीक्षण के समय एसडीएम सदर भी साथ रहे। जिलाधिकारी श्रुति सिंह,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर व एसडीएम सदर सिद्धार्थ सुबह 11:30 बजे जेल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। अधिकारियों ने जेल के भंडार ग्रह व अस्पताल में जाकर व्यवस्थाओं को देखा। जेल के अस्पताल में लगभग 15 बंदी भर्ती थे उनका इलाज चल रहा था। इन सभी अधिकारियों ने व्यवस्थाओं के संबंध में और इलाज को लेकर पूछताछ की। बंदियों ने बताया कि जेल अस्पताल में अच्छा इलाज मिल रहा है वही भंडारे में भी खाने की गुणवत्ता सही मिली। जिला जेल में इस समय कुल 1705 बंदी निरुद्ध है जिसमें 110 महिलायें भी शामिल है।जेल की व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों ने प्रभारी जेल अधीक्षक व जेलर राम कुबेर सिंह से भी जानकारी हासिल की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि बंदियों की संख्या अधिक है लेकिन सर्दी को देखते हुए उनके पास कंबल कम है।

औरैया में आया बसपा प्रतिनिधिमण्डल

औरैया सदर- बहन जी के निर्देशानुशार जनपद औरैया के गाव क्योंटरा बसपा प्रतिनिधिमण्डल ने पहुँच कर पीड़ित परिवार से मिल कर हाल जाना और मृतक के पिता गोविन्द को हर संभव मदद का भरोसा दिया! प्रतिनिधिमण्डल जिसमें कैबिनेट मन्त्री मा0गयाचरण जी मा0मुन्काद अली जी प्रदेश उपाध्यक्ष व श्री लालाराम अहिरवार जी और बौध्रिय् गौतम मुख्य सेक्टर प्रभारी कानपुर ,मा0 नरेंद्र कुसवाह ज़िला अध्यक्ष प्रदीप निगम जी औरैया,मा0 मुन्नापाल विधानसभा अध्यक्ष औरैया ज़िला प्रभारी जगमोहन सिंह व अमर जीत सिंह दोहरे अजीतमल जगनपुर औरैया हरपाल सिंह पाल मोजूद रहे।

तमिलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द का हुआ बेड़ कलां में स्वागत

नारायणलाल सैणचा

पाली -बेड़ कलाँ- दिनांक 28 नवम्बर 2020 को चेन्नई से पधारे तमिलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द वह सघंठन सचिव आर कालुराम सोलंकी बेड़ कलाँ जेतारण के शिवसागर कृषि फार्म पर पर पधारने पर हार्दिक स्वागत किया गया। स्वामी तेजानन्द जी ने अपने उदबोधन में कहा कि प्रवासी गिरवी एवं ज्वेलर्स व्यापारियों को पुलिस प्रताड़ना, चोरी, डकैती, नकबजनी, लूटपाट की घटनाओं को रोकने के लिए कठोर कानून की आवश्यकता है। व्यापारियों के साथ हो रहे अन्याय के विरुद्ध सँघर्ष करके न्याय दिलाना संगठन का मुख्य ध्येय हैं। चोरों की चल-अचल सम्पति सीज करने का सख़्त कानून बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। स्वामी जी ने सीरवी समाज को आदर्श समाज बनाने की दिशा में युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर कर्नाटक प्रवासी हेमराज सेणचा, रतनलाल सेणचा ने सीरवी जाति को दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों की अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में जोड़ने की मांग की। कार्यक्रम में उपस्थित मेघाराम सेणचा अतिरिक्त आयुक्त जी एस टी एवं अध्यक्ष श्री आईजी सेवा संस्थान जोधपुर ने तमिलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की एवं जोधपुर में बन रहे श्री आईजी सेवा संस्थान के प्रोजेक्ट के बारे में चर्चा कर समाज के प्रवासी बन्धुओं से सहयोग की माँग की।कार्यक्रम के दौरान डॉ. नवीन सीरवी न्यूरोलॉजिस्ट पूर्व सरपंच तुलछाराम, मोतीराम सेणचा, उमाराम, गुणाराम, मूलाराम, चंद्राराम, जगाराम, किशनाराम, अमराराम, अणदाराम, लच्छाराम, गोपाराम, खुमाराम, बाबूलाल, नेमीचंद, प्रेम,रतनाराम, जोधाराम,प्रताप एडवोकेट पाबूराम काग,हरजीराम बर्फा, जीवराज गौड़, सहित समस्त सेणचा परिवार एवं मातृशक्ति भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुई। कार्यक्रम के अंत मे मेघाराम सेणचा ने स्वामी तेजानन्द जी का शिवसागर कृषि फार्म बेड़ कलाँ पधारने पर हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

महाविद्यालय में नव प्रवेशित छात्रों को मास्क वितरण एन.एस.एस. द्वारा किया: डॉ. पाण्डेय

(कोविड-19 के समय माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मास्क वितरण)

ग्वालियर। कोविड-19 के समय महाविद्यालय में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों को आने के लिये जागरूकता आवश्यक है। कोरोना संकट काल में जो व्यक्ति जागरूक व सतर्क नहीं रहेगा वह कोरोना भयावक स्थिति को सामना नहीं कर सकता क्योंकि जब तक वेक्सिन नहीं है तब तक मास्क ही कोरोना संकट की वेक्सिन मान ले। माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा नवीन प्रवेशित छात्रो को बिना मास्क महाविद्यालय में न आने के लिये मास्क वितरण का कार्यक्रम डॉ. संजय कुमार पाण्डेय वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय के नेतृत्व में किया गया। जिससे नवीन प्रवेशार्थि कोरोना संकट काल से बच सके। डॉ. पाण्डेय ने बताया कि लॉकडाउन के बाद कोरोना खत्म नहीं हुआ है जिसके लिये जरूरी है कि हम मास्क लगाये और दो गज की दूरी बनाकर रखें जिसके कारण इस कोरोना संकटकाल से हम स्वयं को तो बचा ही सकते है साथ ही साथ महाविद्यालय में अन्य लोंगो को भी इस जागरूकता के द्वारा बचायेंगे। माधव महाविद्यालय में प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है जिसके लिये महाविद्यालय मुख्य द्वार पर एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने उन बच्चों को जिन्होंने मास्क नहीं पहना हुआ है मास्क वितरण कर मास्क पहनने का आग्रह किया साथ ही साथ अपने अन्य साथियों को भी मास्क को पहनने के लिये जागरूक करने का आहवान किया। स्वस्थ शरीर के लिये हमारी दिनचर्या एवं सेहत का हमें ध्यान रखना चाहिए खास करके कोविड-19 कोरोना संकंट काल में जागरूकता के साथ खान-पान का भी विषेष ध्यान रखना पड़ेगा। विष्वव्यापी कोरोना संकट काल में भारत वर्ष के रिकवरी रेट विष्व में अच्छी है क्योंकि यहां के लोग इम्यूनिटि बढ़ाने के लिये काढ़े का इस्तेमाल कर रहे है माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा कोविड-19 के समय अनेक प्रकार के कार्य किये गये। कार्यक्रम में तरूण रोहिरा, अंकुश चौरसिया, हेमन्त मांझी, पूर्वी बोरगॉवकर अनिरूद्ध शर्मा आकाश राणा, विश्वजीत, प्रियंका किरार, आशीष जोशी, अनुभव दीक्षित आदि लोग उपस्थित थे।

भूगोल का आंतरिक परीक्षा शांतिपूर्ण सपन्न

पुष्पांजली टुडे

साहिबगंज-भूगोल विभाग के यूजी सेमेस्टर तीन एवं पांच का कोर एवं जनरल इलेक्टिव का इंटरनल आंतरिक परीक्षा साहिबगंज महाविद्यालय में शांतिपूर्वक एवं कोविड-19 को देखते हुए जिला प्रशासन व सरकार के निर्देश का पालन करते हुए,शारारिक दूरी डिस्टेंसिंग मास्क सैनिटाइजर व स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा ली गई।यूजी सेमेस्टर 3 में 91 तथा सेमेस्टर 535 छात्रों ने अपने परीक्षाएं में भाग लिया वही जनरल इलेक्टिव में 22 छात्रों ने परीक्षा दी।डॉ रणजीत कुमार सिंह केंद्राधीक्षक सह प्रभारी भूगोल विभाग की ओर से प्रश्नावली तैयार कर बहुविकल्पीय एवं शॉर्ट टाइप प्रश्न पूछे गए थे, जो कुल 4 पेपर की परीक्षा ली गई।डॉ रणजीत कुमार सिंह ने भूगोल के छात्रो को प्रोजेक्ट वर्क के लिए राजमहल पहाड़ी व पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन पर रिपोर्ट तैयार कर जमा करने के लिए निर्देश दिया गया है।डॉ रणजीत ने कहा कि अपने क्षेत्रों को भूगोल व भूविज्ञान के अलावे अन्य छात्रों को भी जानना चाहिए,यह अति महत्वपूर्ण स्थान रखता है प्रतियोगिता परीक्षा व अन्य जानकारी के लिए।

हिंदी साहित्य अवार्ड 2020 - निक्की शर्मा रश्मि

साहित्य समाज का दर्पण है।हम जो भी बातें साहित्य के माध्यम से समाज तक पहुंचाने का कार्य करते हैं उसमें सफलता भी मिलती है।लेखकों के माध्यम से यह समाज जाग्रत हो रहा है।लेखकों को अपनी लेखनी के लिए प्रोत्साहित करना हर किसी के बस की बात नहीं होती। साहित्य के उत्थान व आदर्श समाज के निर्माण में किसी साहित्यक मंच की भूमिका अहम है। आज राइटर्स की प्रतिभा को एक नयी पहचान देने का स्वर्णिम काम कर रहा है नवीन साहित्यक मंच पेपरविफ । आज से डेढ़ वर्ष पूर्व पेपरविफ की नींव रखी गई। शुरुआत से अब तक का सफ़र शानदार रहा। इसी का परिणाम है कि आज इस मंच से तकरीबन ग्यारह हज़ार राइटर्स जुड़े हुए हैं। जो विभिन्न भाषाओं में 222.श्च्ड्डश्चद्गह्र-2द्बद्धद्ब.ष्शद्व पर लिखते हैं। एवं लिखने के बदले उनकी प्रतिभा को हर बार इस मंच ने प्रोत्साहित करने का पुनीत कार्य किया है। इसी कड़ी में जल्द ही पेपरविफ परिवार द्वारा वार्षिक साहित्य अवार्ड महोत्सव 2020 का आयोजन किया जाएगा। वार्षिक साहित्य अवार्ड महोत्सव 2020 का आगाज़ एक तरह से आरंभ ही हैं। कोरोना काल के कारण इस बार यह अवार्ड समारोह ऑनलाइन ही आयोजित किया जाएगा। जिसमें पेपरविफ से जुड़े या पेपरविफ से भविष्य में जुड़कर इस मंच पर लिखने वाले राइटर्स को सम्मानित किया जाएगा। अब तक का यह बेस्ट अवार्ड समारोह होगा। विभिन्न कैटेगरी में लेखनी की दुनिया में विशेष पहचान बनाने वाले राइटर्स को सम्मानित किया जाएगा। इस अवार्ड समारोह में सहभागी बनने हेतु इस मंच के विषय में ज़रूर जानना चाहिए आज के राइटर्स को। आप इस अवार्ड समारोह से संबंधित विशेष जानकारी पेपरविफ मंच से जुड़कर भी प्राप्त कर सकते हैं। पेपरविफ टीम का ध्येय है राइटर्स को लेखनी की दुनिया में एक अलग पहचान दिलवाना। इसमें पेपरविफ टीम कहीं-न-कहीं सफल भी हो रही है। महज डेढ़ वर्ष में ही पेपरविफ मंच ने राइटर्स के दिल पर अपनी एक अच्छी पहचान बनाई है। आज लेखकों के अनुपम रचना से यह मंच सज चुका है एक से बढ़कर एक लेखक जुड़ चुके हैं और जुड़ रहे हैं। लेखन हमेशा ही समाज को जाग्रत करता आया है और करता रहेगा।समाज साहित्यकार एक दुसरे से जुड़े हैं अपनी बात अपनी लेखनी से समाज को आप भी जाग्रत करें।हिंदी साहित्य अवार्ड 2020 आपके हाथों में भी हो सकती है।

निक्की शर्मा रश्मि
मुम्बई

कोविड-19 के चलते सामाजिक दूरी की पूरी पालना के अनुसार अपना मत का प्रयोग किया जाए

पाली. नेनाराम सिरवी. राजस्थान पंचायत राज संस्थाओं के आम चुनाव 2020 तीसरे चरण के होने वाले चुनाव को लेकर पाली पंचायत समिति के वार्ड संख्या 12 के निर्दलीय प्रत्याशी एवं अन्य प्रत्याशियों द्वारा संपूर्ण मतदाताओं से सामाजिक दूरी की पूरी पालना करने की अपील की गई.जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव के तीसरे चरण में पाली पंचायत समिति के होने वाले चुनाव को लेकर वार्ड संख्या 9 भाजपा प्रत्याशी रामलाल वार्ड संख्या आठ भाजपा प्रत्याशी भारतीयकुमावत. वार्ड संख्या 8 कांग्रेस प्रत्याशी पुखराज वार्ड संख्या 9 कांग्रेस प्रत्याशी रमेश कुमार. वार्ड संख्या 10 भाजपा प्रत्याशी ओमकार सिंह. वार्ड संख्या 11 भाजपा प्रत्याशी मंजू बावरी वार्ड संख्या 12 भाजपा प्रत्याशी हुकम सिंह वार्ड संख्या 13 भाजपा प्रत्याशी इंदिरा सिरवी वार्ड संख्या 13 कांग्रेस प्रत्याशी लक्ष्मण सिंह एवं जिला परिषद वार्ड संख्या 17 भाजपा प्रत्याशी दुर्गा सिरवी जिला परिषद वार्ड संख्या 17 कांग्रेस प्रत्याशी गवरी चौधरी जिला परिषद वार्ड संख्या 7 भाजपा प्रत्याशी नंदिनी जिला परिषद वार्ड संख्या 7 कांग्रेस प्रत्याशी कमला चौधरी जिला परिषद वार्ड संख्या 6प्रत्याशी पूजा कंवर. एवं मारवाड़ जंक्शन पंचायत समिति वार्ड संख्या 6 कांग्रेस प्रत्याशी रिंकू मीणा आदि सहित संपूर्ण प्रत्याशियों द्वारा विश्वव्यापी महामारी के चलते 1 दिसंबर को होने वाले पाली पंचायत समिति चुनाव को लेकर संपूर्ण मतदाताओं से सामाजिक दूरी की पूरी पालना करने की अपील के साथ नियमित रूप से मास्कउपयोग करके अपना मत का पूरा प्रयोग करने की अपील की गई.पाली पंचायत समिति चुनाव के लिए अंतिम चरण के चुनाव प्रचार को लेकर तूफानी दौरे की शुरुआत संपूर्ण राजनीतिक दलों के प्रत्याशी एवं उनके समर्थकों के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी दिन रात मेहनत करके अपने अपने पक्ष में मतदान करने की अपील संपूर्ण मतदाताओं से की जा रही हैं. पाली पंचायत समिति वार्ड संख्या 12 के लिए सबसे ज्यादा रोचक मुकाबला निर्दलीय प्रत्याशी पूजा देवी ओड का महत्वपूर्ण रोचक मुकाबला रहेगा.इसके साथ जिला परिषद चुनाव के लिए दिन रात एक कर के जन जन के लाडले विधायक ज्ञानचंद पार्क एवं जोराराम कुमावत भाजपा जिला अध्यक्ष मंसाराम परमार मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी जेके राठौड़ एवं जिला स्तर पर मंडल अध्यक्ष के साथ मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा संपूर्ण अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थकों के साथ दिन रात मेहनत करके अपने अपने पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई

भाजपा जिला अध्यक्ष ने की नई कार्यकारिणी कमिटी की घोषणा!

चंद्रभान शर्मा बने जिला उपाध्यक्ष

पुष्पांजली टुडे

साहिबगंज। भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है।प्रदेश नेतृत्व की स्वीकृति पर जिला अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के नाम की घोषणा की।वरिष्ठ नेताओं ने नई कार्यकारिणी को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

भाजपा जिला कार्यकारिणी- भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रामदरश यादव ने प्रदेश नेतृत्व से परामर्श के बाद जिला पदाधिकारियों की घोषणा की है।इसमें विकास मूर्मू ,संजीव डे सुनील सिंह,चन्द्रभान शर्मा,श्रीमती रेणु मंडल को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया हैं! कुसुमाकर तिवारी,कार्तिक साह को जिला महामंत्री बनाया गया हैं!गरिमा साह,रामानंद चौरसिया,गौतम यादव,ललिता पासवान,चाँदनी देवी,होपन टुड्डू को जिला मंत्री बनाया गया हैं!जबकि महेंद्र पोद्दार को कोषाध्यक्ष बनाया गया हैं! जिला मीडिया प्रभारी सोनेलाल ठाकुट सह मीडिया प्रभारी भूदेव चौधरी को बनाया गया हैं!जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रशांत शेखर सह सोशल मीडिया प्रभारी दीपक चंद्रवंसी को बनाया गया हैं! मंडल अध्यक्षों का नाम पंकज चौधरी साहेबगंज नगर,संजय मंडल साहेबगंज

ग्रामीण,सागर मंडल तीन पहाड़,अजय चौधरी राजमहल नगर,बिरेन साह राजमहल ग्रामीण,प्रताप राय उधवा,सनातन मंडल राधा नगर रामचन्द्र साह बोरियो,अनिल मुर्मू मंडरो,मनीष भारती बरहेट धनंजय मंडल भोगनाडीह,पंकज ठाकुर पतना, उत्तम कुमार भगत बरहरवा प्रणव कुमार सिंह कोटाल पोखर!

जिला कार्यसमिति सदस्य देवदास पाल संतोष यादव-किशोर जैन हरिचन्द्र मूम बृजमोहन भगत हरिवोल मंडल,उत्तपल दत्ता राम भजन गोप संत गोप राजेश मंडल,हरे राम ओझा,राजीव चौधरी,कौशल किशोर ओझा,जयप्रकाश सिन्हा,कुन्दन साह,जितू सिंह,गोपाल सिंह,अनन्त सिन्हा,उमा मंडल,सुनील प्रमाणिक, शत्रुघ्न यादव,कुशमिता देवी,ज्योति देवी,ऋतु देवी, अनिता बसाक,किरण देवी,कल्पना साह,सलिना हांसदा,सुनीता सिन्हा,सोनिया देवी,कैलाश साह, राजीव मंडल,जितेन्द्र पंडित,राजेश कुमार साह,संजीव कुमार गुप्ता,उत्तम भगत,शिवशंकर पंडित,भगवान यादब,किशोर चौधरी,उमाकांत मंडल,अरविंद झा,प्रधान मरांडी,राज कुमार साह,राज कुमार उपाध्याय,काजू मल्लिक,संजय गुप्ता,छट्ठू लाल साह! जिला स्थायी आमंत्रित सदस्य अनंत ओझा,हेमलाल मुर्मू,कमल कृष्ण किशोर,गणेश तिवारी,बजरंगी प्रसाद यादव,कृपानाथ मंडल,रेणुका मुर्मू, विश्वनाथ साह,श्रीनिवास यादव,रामानंद साह,श्यामल दास,लोकेश कुशवाहा,पार्थो दत्ता,सूर्या हांसदा, सिमोन माल्टो,रणधीर सिंह,बैजनाथ सिंहपाचु जिला विशेष आमंत्रित सदस्य रणजीत साह,ललन दास,विश्वजीत मंडल,राजीव चौधरी,कुंदन साह,जय प्रकाश सिन्हा,भोला साह,नीमाय चन्द्र मंडल, मनोज मुर्मू,कृष्णा देवी महतो! जिला अध्यक्ष रामदरश यादव ने कहा जिला के सभी मनोनीत पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों के साथ-साथ पूरी कार्यसमिति को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...आप सभी के नेतृत्व में निश्चित रूप से भाजपा,साहेबगंज जिला का संगठन नए ऊंचाइयों को छुएगा! राजमहल विधायक अनंत ओझा ने कहा भाजपा, साहेबगंज जिला के सभी मनोनीत पदाधिकारियों ,कार्यसमिति एवं मंडल अध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...आप सभी के नेतृत्व में निश्चित रूप से भाजपा,साहेबगंज जिला का संगठन वैचारिक आधार को आत्मसात् कर जन अपेक्षाओं के अनुकूल समाधान की दिशा में संगठन को नई ऊँचाई देगा!

गर्भ से बेटी करे पुकार

सुन मेरी मैया मुझे भी
देखना है यह खूबसूरत संसार
मैं गर्भ में पड़ी हूँ व्याकुल
मुझको भी आने देना बाहर
नन्हीं सी मैं परी तुम्हारी
कोमल मुलायम प्यारी प्यारी
तुमने मुझको गर्भ में पाला
तुम पर मैं मैया बलिहारी
मेरा भईया भी मुझ जैसा
मुझमें उसमें कोई फर्क नहीं
बेटा कुल का दीपक है
यह भी कोई तर्क नही
बेटी है दो कुलों की शान
रखना मैया इतना ध्यान
बेटी गर्भ में आ जाये फिर
क्यों शुरू हो जाता घमासान
मैया मेरी यह बतलाओ
सब लोग मुझे लक्ष्मी क्यों कहते हैं
लेकिन जब मैं गर्भ में आऊं
तो गर्भ गिराने के ताने बाने क्यों बुनते हैं
सोचो मैया नारी के बिन
कैसे बढ़ेगा यह सारा संसार
शतरूपा अगर नहीं होती
तो मनु की उतप्ति थी बेकार
मन को मत भटकाओ मैया
मुझ पर तुम करो उपकार
आने दो मुझे भी जग में
वंदन करूँ मैं बारम्बार
रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
जिला बिलासपर हि प्र

VISION 2020
ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती
जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।
ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ
बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।
Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

बेवफा चाय वाला
प्रेमी जोड़ो के लिये
20 रु. की चाय
प्यार में धोका खाये लोगो के लिये
15 रु. की चाय
फोजी भाईयों के लिये
फ्री चाय
क्या लेंगे आप चाय या धोका
चाय दूसरी ऐसी चीज है...
जिससे आँखे खुलती है...
धोखा आज भी पहले 1 नम्बर पर है...

चिटफंड कंपनी के जरिए अरबों ठगकर मुंबई में बनाया आलिशान होटल, अब पुलिस की राडार पर

नई दिल्ली। भोपाल में चिटफंड कंपनी चलाकर लोगों को ठगने वालों का पर्दाफाश हुआ है। अपनी कंपनी के जरिए पांच साल में शातिर अपराधी ने लोगों से 100 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। आरोपियों का नाम विनोद तिवारी और अंगद कुशवाहा है। दरअसल, श्रीस्वामी विवेकानंद मल्टी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी चिटफंड कंपनी की ओर से अधिकारियों को लग्जरी वाहन दिए गए थे। इन वाहनों को दिखाकर कंपनी के अधिकारी लोगों को लालच देते थे कि ऐसे वाहन आप भी ले सकते हो, कंपनी में निवेश करो और रकम दोगुनी करवाओ। बता दें, आरोपी दिसंबर में पूरे प्रदेश की ब्रांच से पैसा लेकर मुंबई भागने की फिराक में थे। उससे पहले ही उनके गोरखधंधे का पर्दाफाश हो गया और आरोपित पुलिस के हत्थे चढ़ गए। उनका अन्य प्रदेशों में भी नेटवर्क मिला है। पिपलानी पुलिस की टीमें जांच के लिए महाराष्ट्र के लातूर, नागपुर पहुंच गई हैं। पुलिस ने आरोपितों के लग्जरी वाहन जप्त कर लिए हैं। विनोद तिवारी और अंगद कुशवाहा की चिट फंड की कंपनी आरबीआइ गाइडलाइन का पालन नहीं कर रही थी। पुलिस को पूरे प्रदेश में कंपनी की 21 शाखाओं के बारे में जानकारी मिली है। आरोपितों ने जो रकम ग्राहकों से फर्जीवाड़े के जरिए जमा करवाई थी, उसमें से कुछ रकम नागपुर और लातूर में निवेश की गई है। इसकी जानकारी जुटाने के लिए पिपलानी पुलिस उक्त शहरों में पहुंच गई है।

लव जिहाद: सलमान ने उमेश बनकर की शादी

अब धर्म परिवर्तन के लिए डाल रहा है दबाव

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार लव जिहाद के खिलाफ अभी विधेयक लाने वाली है, लेकिन उसके पहले ही भोपाल में एक ऐसा मामला सामने आया जो लव जिहाद के खिलाफ कानून के प्रावधानों पर पूरी तरह से फिट बैठता है। नाम बदलकर शादी करने के बाद पति जब धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने लगा तो युवती शुक्रवार शाम गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के निवास पर मदद मांगने पहुंच गई। पीड़ित युवती का आरोप है कि काफी दिनों तक उसका पति उमेश नाम से उसके साथ रहा, लेकिन बाद में असली चेहरा सामने आया। युवती ने कहा कि अब पति उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बना रहा है। गृह मंत्री ने भोपाल डीआईजी को मामले की जांच का आदेश दिया है। पीड़ित को मदद का भरोसा दिया है। युवती का कहना है कि गेंहूखेड़ा इलाके में रहने वाले युवक से उसकी करीब साल भर पहले मुलाकात हुई थी। उस वक्त युवक ने अपना नाम उमेश बताया। पीड़ित युवती से मन्दिर में शादी कर ली। युवती का शादी के बाद एक बच्चा भी है। युवती का कहना है, बाद में पता चला कि उसके पति का नाम उमेश नहीं, बल्कि सलमान है।

धर्म परिवर्तन के लिए दबाव-युवती का आरोप है कि धर्म परिवर्तन ना करने पर उसे घर में

प्रताड़ित किया जा रहा है। पीड़ित युवती की मानें, तो आरोपी पति ने उसके बच्चे को भी मारने की कोशिश की। इस पर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा है, मामले की जांच की जाएगी और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लव जिहाद के खिलाफ कानून-इधर, मध्य प्रदेश सरकार लव जिहाद रोकने के लिए सख्त कानूनी प्रावधान करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में इसका ड्राफ्ट भी तैयार किया गया है, जिसके तहत लव जिहाद के आरोप सही पाए जाने पर दोषी के खिलाफ 10 साल तक की सजा हो सकती है।

मध्यप्रदेश: डंपर और टैंपो में टक्कर के बाद लगी आग, तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में देवास जिला मुख्यालय से करीब 14 किलोमीटर दूर इंदौर-भोपाल राजमार्ग पर भौंरासा फाटे के समीप डंपर व टैंपो ट्रेवलर में आमने सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों ही वाहनों में आग लग गई। आग से टैंपो ट्रेवलर में फंसे तीन लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) किरण शर्मा ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार- शनिवार की दरम्यान रात को एक बजे के आसपास हुई; हादसे की सूचना मिलते ही देवास, भौंरासा व सोनकच्छ से पुलिस बल मौके पर पहुंच गया, फायर ब्रिगेड के माध्यम से आग बुझाई गई, लेकिन तब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि रात करीब एक बजे भोपाल से आ रही टैंपो ट्रेवलर सामने गलत दिशा से आ रहे डंपर से टकरा गई; टक्कर होते ही दोनों वाहनों में आग लग गई। उन्होंने बताया कि डंपर का चालक घटनास्थल से फरार हो गया जबकि जबकि ट्रेवलर में तीन लोग फंस गए, आग की लपटे तेज होने से उनकी वाहन में ही जलने से मौत हो गई। शर्मा ने बताया सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा, मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल ले जाए गए। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में टैंपो ट्रेवलर पूरी तरह जल गई, जबकि डंपर का भी अगला हिस्सा जला है। डीएसपी किरण शर्मा ने बताया कि मृतक सभी उज्जैन जिले के पीपलीना के रहने वाले हैं, जिनकी पहचान श्याम माली (45 वर्ष), पप्पू ठाकुर (32 वर्ष) और शिवनारायन नामदेव (50 वर्ष) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

उफ़! ये भ्रष्टाचार: करोड़पति पंचायत सचिव के पास 5 प्लॉट, दो मकान और 6 बैंक खाते

भोपाल। पंचायत सचिव की कमाई कुछ हजार हजार रुपए प्रतिमाह है लेकिन उनके पास संपत्ति करोड़ों की है क्योंकि वह पंचायत सचिव है। जी हाँ इस करोड़पति पंचायत सचिव का नाम शैलेंद्रसिंह जाट है। उसके पास दो मकान, 5 प्लॉट, खुद के नाम 1 बीघा जमीन, 180 ग्राम सोना, 390 ग्राम चांदी, 47500 रुपए नकद, 6 बैंक खातों में 93 हजार रुपए जमा है जबकि भाई के नाम 5 हेक्टेयर जमीन, ट्रैक्टर, बुलट सहित 3 बाइक, ऑल्टो कार के दस्तावेज मिले हैं। लोकायुक्त ने इस पूरी सम्पत्ति का अनुमान 70 लाख रुपए लगाया है पर बाजार मूल्य में यह लगभग एक करोड़ से अधिक है। लोकायुक्त ने इसके पूरे दस्तावेज जब्त किए हैं। साथ ही प्रॉपर्टी कारोबार में इसके साझेदार नरेश जैन को भी तलब किया है।

यह है मामला

लोकायुक्त पुलिस ने जिस पंचायत सचिव के घर पर छापा मारा उसका नाम शैलेंद्र सिंह जाट उर्फ शैलू है। यह मस्तूरा पंचायत के सचिव है। यह पंचायत भितरवार विकासखंड के तहत आती है। इनके खिलाफ सरपंच कमल जाटव ने शिकायत की थी कि शैलेंद्र सिंह जाट ने आय से अधिक संपत्ति जोड़ रखी है। इसी शिकायत के आधार पर लोकायुक्त पुलिस ने अपनी जांच शुरु की थी। साथ ही शुक्रवार सुबह दो स्थानों भितरवार के वार्ड-9 स्थित घर और किठौता गांव में एक साथ छापामार कार्रवाई की है।

12 साल की नौकरी में मालामाल हुआ पंचायत सचिव

लोकायुक्त पुलिस ने अपनी जांच में पाया कि शैलेंद्र सिंह तो अभी तक जितना वेतन मिला है, उससे कहीं अधिक उसने खर्चा कर रखा है। साल 2008 में पंचायत सचिव की नौकरी शुरु करने वाले शैलेंद्र सिंह का मासिक वेतन लगभग 12 हजार रुपए है। 31 अक्टूबर 2019 तक उसकी कुल आय 13.30 लाख रुपए के आसपास होती है पर उसके पास कहीं ज्यादा माल मिला है।

11 लाख की चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बहराइच। बहराइच जिले में नगर कोतवाली पुलिस ने रोडवेज रोड पर अठकोना तिराहे पर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 550 ग्राम चरस बरामद की गई है। बरामद चरस की अन्तरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 11 लाख आंकी गई है। एसपी डा. विपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि नगर कोतवाल अरुण कुमार द्विवेदी को शनिवार की भोर भनक लगी कि रोडवेज रोड पर दो तस्करों की गतिविधियों को देखा गया है। उन्होंने तत्काल अफसरों को जानकारी दी। एएसपी सिटी कुंवर ज्ञानंजय सिंह व सीओ सिटी टीएन दुबे के पर्यवेक्षण में कोतवाल ने रोडवेज पुलिस चौकी प्रभारी नरेन्द्र चौधरी, सिपाही मुकेश कुमार, सचिन, सत्येंद्र कुमार, पवन कुमार पांडेय को तस्करों की गिरफ्तारी को भेजा। पुलिस टीम ने तस्करों की तलाश शुरू की। रोडवेज बस स्टैंड से घंटाघर चौक रोड पर अठकोना तिराहे के पास दो संदिग्धों को देखा। पुलिस को देखकर दोनों ने भागने की कोशिश की। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा। तलाशी लिए जाने पर दोनों के पास से 550 ग्राम चरस मिली।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की जिला कार्यकारिणी गठित

लहार(अर्पित गुप्ता)। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष अनिल पाण्डेय की अनुसंसा पर एवम जिलाध्यक्ष अखलेश दीक्षित के अनुमोदन पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की जिला कार्यकारिणी गठित की गई जिसमें अंकुर दुबे को जिला महामंत्री, शुभम मोनू उपाध्याय को जिला मीडिया प्रभारी,हेमंत दुबेदी जिला उपाध्यक्ष, हरिनिबास दीक्षित को जिला मंत्री नियुक्त किया गया ।

पत्रकार संघ ने दी बधाई-अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की कार्यकारिणी में शुभम मोनू उपाध्याय को जिला मीडिया प्रभारी बनाये जाने पर पत्रकार संघ ने बधाई दी बधाई देने बालो में अर्पित गुप्ता,मोहित गोस्वामी, दिलीप नायक,कुंज बिहारी कौरव,हरिश्चंद्र पाण्डेय, राजाभैया पाल,सुधांशु मुद्गल,आला त्रिपाठी, मयंक त्रिपाठी, रोबिन अग्रवाल, अजीज पठान,संजीव चौधरी,राजू त्रिपाठी,नितिंन त्रिपाठी,बिबेक दुबे,विवेक पांडेय,राजू मुडोतिया, संजीव चौधरी,उत्तम चौधरी,देवानंद नायक एवम मित्र मंडली ने बधाई प्रेषित की ।

जिला विधिक सहायता शिविर ग्राम झंडा का पुरा में संपन्न

ग्वालियर। साहेब कलारी हटवा दीजिए। यह पीड़ा जिला विधिक सहायता शिविर महिला सशक्तिकरण के जागरूकता शिविर अभियान में महिलाओं ने कहीं। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋतुराज सिंह चौहान ने कलारी हटाने के संबंध में आवेदन पत्र प्राप्त कर विधिवत कार्यवाही की बात कहते हुए। गांव में सरकारी स्कूल बनाने एवं छोटी-मोटी समस्याओं के निराकरण की बात कही। न्यायाधीश शिवानी शर्मा न्यायाधीश अनीता सिंह एवं न्यायाधीश संजय जैन ने महिला को उनके हक अधिकार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रिसोर्स पर्सन अधिवक्ता शिल्पा डोगरा ने महिलाओं को जिला विधिक सहायता शिविर के तहत निशुल्क कानूनी सलाह के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। उक्त शिविर जिला विधिक

सहायता शिविर एवं गौरवशाली सामाजिक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न होकर संस्था सचिव वासुदेव मिश्रा ने संस्था की गतिविधियों में विस्तार से जानकारी देकर आभार व्यक्त किया। पीएलबी नरेंद्र सिंह कुशवाह के अलावा, संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद नरवरिया,वार्ड अध्यक्ष रानी गौड़, गजराज सिंह, मीना धाकड़, केदार कुशवाह उक्त शिविर में सहयोग प्रदान किया।

एसडीएम ने छत्रसाल चौराहे पर लोगों को रोककर किया मास्क का वितरण

ठाकुरदास लोधी

पिछोर। एसडीएम के.आर. चौकीकर ने रोको-टोको कार्यक्रम के तहत पिछोर में छत्रसाल चौराहे पुरुष, महिला एवं युवाओं को रोककर मास्क का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने आमजन को संदेश दिया कि स्वयं सुरक्षित रहने और दूसरों को सुरक्षित रहने के लिए मास्क का प्रयोग करें। एसडीएम श्री चौकीकर ने छत्रसाल चौराहा पर बिना मास्क के आवाजाही करने वालो को मास्क का वितरण किया। उन्होंने कहा कि खुद सुरक्षित रहो व दूसरों को भी रहने दो, कोविड-19 वैश्विक महामारी है

इसके बारे में बताया। इसके बाद मंडी में लोगो को समझाइश दी व व्यापारियों के साथ एक बैठक की जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर हम्माल या कामगार बगैर मास्क के पाए जाएंगे तो आप लोगों के लाइसेंस निरस्त की कार्यवाही की जाएगी। संदेश देते हुए कहा ''दो गज दूरी मास्क है जरूरी'', ''सभी लोग सतर्क रहें घरों में रहे सुरक्षित रहें और ज्यादा आवश्यक हो तभी घर से निकले।

अग्रकुल महिला समिति का ऑनलाइन दीवाली मिलन समारोह में बनी दिवाली क्वीन

ग्वालियर / अग्रकुल महिला समिति ने दीवाली मिलन समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया जिसमे सभी सदस्यों ने एक दुसरे को शुभकामनायें दी और आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की इस कार्यक्रम का संचालन संस्थापक अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल एवं रश्मि अग्रवाल ने किया.साथ ही दीप संग दीपावली के रिजल्ट इस प्रतियोगिता की जज प्राइड ऑफ़ मध्य प्रदेश और मिसेस इंडिया 2018 पूनम सप्रा द्वारा घोषित किये गए जिसमे ग्रुप, में दीवाली क्वीन अनिका अग्रवाल रहीं और प्रथम सिद्धि सूरी, द्वितीय जाह्नवी अग्रवाल, तृतीय ख्याति अग्रवाल रहीं साथ ही ग्रुप ब्रमें क्वीन रुचि अग्रवाल रहीं प्रथम तारा शाह और द्वितीय नाइजीरिया से उपासना शर्मा तृतीय चंचल कुटिया रहीं साथ ही ग्रुप ए में प्रथम सीमा बंसल द्वितीय नीतू गोयल और तृतीय बबिता गुप्ता रहीं इसी के साथ ग्रुप ब बालिका वर्ग के लिए में प्रथम प्रियांशी अग्रवाल द्वितीय ऋषबी जैन और तृतीय प्रियंका अग्रवाल रहीं इस कार्यक्रम की संयोजिका नीलम अग्रवाल रहीं।

एटा आज दिनांक 28-11-2020 को यातायात जागरुकता माह नवम्बर 2020 के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर / यातायात के निकट निर्देशन में यातायात प्रभारी मय यातायात कर्मचारी गण उपयुक्त स्थान चिन्हित कर स्थानीय चिकित्सा विभाग के सहयोग से वाहन चालकों का बी0पी0 ,कान ,आई साइट चेकअप कराया गया एवं श्याम विहारी इण्टर कालेज श्याम विहार कालोनी आगरा रोड एटा में अध्यापक एवं छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया दैनिक चैकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले विभिन्न वाहनों के104 ई-चालान पर 115300/ रुपये पेंडिग जुर्माना किया गया।

भौंती टी आई पूनम सविता ने बाजार में जाकर लोगों से मास्क लगाने की अपील की

पिछोर। जिले के भौंती थाना प्रभारी पूनम सविता व सरपंच रामेंद्र छिरोल्या ने जगह जगह जाकर कोरोना महामारी के प्रति लोगों को जागरूक किया व इसके प्रति बचने के उपाय बताये लोगो से मास्क लगाने व बाजार के दुकानदारों को भी मास्क लगाने की अपील की और कहा कि जो व्यक्ति मास्क न लगाये उसे समान न दिया जाए और ग्राम पंचायत की तरफ से निःशुल्क मास्क भी वितरित किए।

प्रशासन कर रहा गायों की अनदेखीं,गौरक्षा संगठन कर रहा गौवंश को बचाने का प्रयास

दबोह(अर्पित गुप्ता)

मधुर शर्मा(प्रदेश सचिव सिंधिया फैंस क्लब)के द्वारा संचालित गौरक्षा संगठन के द्वारा जमीनी स्तर पर गौवंश को बचाने का व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है।दबोह नगर के गल्ला मंडी प्रांगण परिसर में एक घायल गौवंश की पुकार किसी ने नहीं सुनी तो गौ रक्षा संगठन के प्रभारी टिंकू दीक्षित,नीलू शर्मा,राम मोहन तिवारी,नितेश माहौर दर्द से तड़पते गौवंश के पास पहुंचे और उन्होंने घायल गौ वंश का उपचार किया टिंकू दीक्षित के नेतृत्व में सड़क पर उतर कर घायल बीमार बेसहारा गोवंश को बचाने का सेवा कार्य पिछले काफी समय से निरंतर चल रहा है संगठन के प्रमुख राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता संतोष चौहान ने नगर के बेसहारा गोवंश को बचाने के लिए यथासंभव गौसेवा करने की अपील की है।

कोरोना यौद्धाओं ने गृह मंत्री से को स्थायी करने की मांग की लेकर ज्ञापन सौंपा

दतिया(ब्यूरो रिपोर्ट)। कोरोनाकाल में सरकार द्वारा कोरोना जांच एवँ कोरोना पॉजिटव मरीजो के उपचार देखभाल के लिए जिन कोरोना यौद्धाओं को टेम्परेरी नियुक्त किया था अब उनकी छँटनी करने के आदेश दे दिये

है। इस आदेश के विरोध में आज जिले के कोरोना यौद्धाओ ने प्रदेश के गृह मंत्री डा नरोत्तम मिश्रा को अपनी समस्या बताते हुए एक ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में अस्थायी कर्मचारियों ने मांग की है कि उन्हें स्थायी नियुक्ति संविदा के आधार पर दी जाए। ज्ञापन पंजाब सिंह कुशवाहा जिला अध्यक्ष अस्थायी स्वास्थ्य कर्मचारी संगठन के नेतृत्व में मंत्री डॉ मिश्रा के आज दतिया निवास पर दिया गया। ज्ञापन में बताया गया कि कोरोना जैसी महामारी में ने अपनी जान को जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाई अब उन्हें हटाने का आदेश कहा का न्याय है।

डीएम, एसएसपी ने कोतवाली देहात, महिला थाना में समाधान दिवस का किया निरीक्षण

एटा। जिला मजिस्ट्रेट सुखलाल भारती, एसएसपी सुनील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से थाना कोतवाली देहात, महिला थाने में आयोजित थाना समाधान दिवस का औचक निरीक्षण किया। डीएम, एसएसपी ने इस दौरान सर्वप्रथम कोतवाली देहात में समाधान दिवस के दौरान महारानी पत्नी सुरेश निवासी असरौली, रमेश चन्द्र निवासी बिजौरी द्वारा दिए गए शिकायतीपत्र का प्रभावी निस्तारण करने हेतु मौजूद अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देश दिए। डीएम, एसएसपी ने महिला थाने में आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान निर्देश दिए कि थाने पर आने वाले फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए। थाने पर हेल्पडेस्क को और अधिक क्रियाशील करते हुए कोविड-19 की गाइडलाईन का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इस दौरान साबिर निवासी कायमगंज, आसमा निवासी सकौट एवं राहुल निवासी आगरा, मीनाक्षी निवासी अवागढ़ के पारिवारिक प्रकरण को निस्तारण करने हेतु मौजूद कर्मचारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम सदर अबुल कलाम, थाना स्टाफ, लेखपाल आदि मौजूद रहे।

विद्या बालन ने ठुकरा दिया वनमंत्री के डिनर का न्योता तो डीएफओ ने रोकी शूटिंग क्रू की गाड़ी

नई दिल्ली। एक तरफ तो सरकार फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को राज्य में शूटिंग करने हेतु आकर्षित करने के लिए तमाम उपाय कर रही है तो दूसरी ओर मध्यप्रदेश के मंत्री और अधिकारी अपने कार्यों द्वारा फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को मायूस करने में लगे है ताजा मामला वनमंत्री से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार फिल्म 'शेरनी' की शूटिंग के लिए प्रोडक्शन यूनिट के साथ 8 नवंबर को बालाघाट आईं बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन को वन मंत्री विजय शाह ने डिनर का न्योता दे दिया। विद्या ने डिनर में शामिल होने में असमर्थता जता दी।

इसका असर यह हुआ कि दूसरे दिन बालाघाट साउथ के डीएफओ जीके बरकड़े ने यह कहकर प्रोडक्शन यूनिट की गाड़ियां रोक दीं कि सिर्फ दो ही गाड़ी को प्रवेश की अनुमति है। हालाँकि मामला जब शासन स्तर तक पहुंचा तो आनन-फानन में सारी गाड़ियों को प्रवेश दिलाया गया। इस बात को लेकर जब मुख्य वन संरक्षक, बालाघाट सर्किल नरेंद्र कुमार सनोडिया से पुछा गया तो उन्होंने कहा कि विद्या बालन हर दिन गोंदिया से आती थीं जब मंत्री जी से मुलाकात हुई, मैं उनके साथ था। लेकिन डिनर का जहां तक सवाल है तो ऐसी कोई जानकारी मुझे नहीं है। यह जरूर है कि दूसरे दिन डीएफओ की तरफ से कुछ गाड़ियों के रोके जाने का मसला था। इस पर पीएस ने फोन करके डीएफओ को कहा कि प्रदेश में फिल्म की शूटिंग कम ही होती है। ऐसे काम रोकोगे या व्यवधान करोगे तो

प्रदेश की बदनामी होगी। इसके बाद शूटिंग निर्बाध रूप से चली। विद्या बालन रोजाना 40 किमी दूर गोंदिया से आती थीं। भरवेली खदान के रेस्ट हाउस में वन मंत्री ने ही लंच शाम को किया और मुलाकात करने पहुंचे थे। छह तारीख से 10 नवंबर तक मैं मंत्री जी के साथ था। जानकारी शासन तक पहुंचते ही हड़कंप मचा, बाद में शूटिंग शुरू करवाई गई। फिल्म प्रोडक्शन यूनिट ने 20 अक्टूबर से 21 नवंबर तक शूटिंग की स्वीकृति ली थी। इसी बीच वन मंत्री ने विद्या बालन से मिलने की इच्छा बताई। आठ नवंबर को सुबह 11 से 12 बजे तक का समय तय हुआ। इसके बाद शाम 4 बजे वन मंत्री को बालाघाट से महाराष्ट्र के ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व जिला चंद्रपुर के लिए जाना था। ताडोबा में ही उनका रात्रि विश्राम था, लेकिन वे भरवेली खदान के रेस्ट हाउस में रुक गए। शाम को पांच बजे वे विद्या बालन से मिलने पहुंचे और मुलाकात के बाद डिनर साथ करने की इच्छा जताई। चूंकि विद्या बालन गोंदिया में रुकी हुई थीं, लिहाजा उन्होंने डिनर के लिए मना कर दिया। इसका असर यह हुआ कि दूसरे दिन जब फिल्म से जुड़े लोग रोज की तरह वहां पहुंचे तो साउथ डीएफओ जीके बरकड़े ने प्रोडक्शन यूनिट की गाड़ियां रोक दीं। अचानक वन विभाग के इस रुख की जानकारी शासन तक पहुंच गई। तुरंत डीएफओ को निर्देशित किया गया। इसके बाद शूटिंग निर्बाध हुई। वन मंत्री विजय शाह ने कहा विद्या बालन से मुलाकात की बात सही है लेकिन डिनर की व्यवस्था जिला प्रशासन ने की थी। जहां तक बात गाड़ियों के रोकने की है तो उसमें यह बात सामने आई कि शूटिंग के दौरान दो जनरेटर जाते थे लेकिन उन्होंने जनरेटर से युक्त कई गाड़ियां जंगल में ले जाने की कोशिश की जिसे डीएफओ ने रोका। डीएफओ, बालाघाट साउथ जीके बरकड़े ने बताया गाड़ियों की परमिशन को कैंसिल करने जैसी कोई बात नहीं है। मंत्री जी की मुलाकात 7 या 8 नवंबर को हुई। अगले दिन साहब (पीएस फोरेस्ट) का फोन आया तो हमने बताया कि ऐसी स्थिति नहीं है। इसके बाद शूटिंग जारी थी।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

सम्पादकीय

कोरोना को लेकर केंद्र व राज्यों में तालमेल जरूरी

अमेरिका, ब्राजील, फ्रांस, रूस सहित 54 देशों में कोरोना(ष्टश्वह्म्श्वठ्ठ्ठ1द्बह्म्ह्वह्य) की दूसरी लहर शुरू हो चुकी है। सबसे ज्यादा असर उत्तर अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों में दिख रहा है। भारत में भी दूसरी लहर की आहट दिखने लगी है। पिछले हफ्ते तीन दिन ऐसे थे, जब भारत में ठीक होने वालों से ज्यादा नए मरीज आए। मतलब इन तीन दिनों में एक्टिव केस की संख्या में इजाफा हुआ है। सितंबर तक दुनियाभर में रोजाना औसतन 3 लाख मरीज बढ़ रहे थे। अब रोज 6 लाख से ज्यादा मरीज आ रहे हैं। केंद्र सरकार को कोविड -19 की नई गाइडलाइन जारी की हैं, जो एक दिसंबर से लागू होंगी। सबसे अच्छी बात यह है कि केंद्र ने राज्यों को पाबंदियां अपने स्तर पर लगाने की छूट दी है। केवल लॉकडाउन के लिए ही केंद्र सरकार से मंजूरी का प्रावधान रखा गया है। यह नीति केन्द्र व राज्यों में टकराव की संभावना को समाप्त करेगी। अक्सर यह होता है कि केंद्र सरकार की गाइडलाइन को लेकर विरोधी पार्टियों की सरकार वाले राज्यों में विवाद होता रहा है, जो कोरोना के साथ जंग में बाधक बनता है। यह भी देखने में आया है कि केन्द्र सरकार के फैसलों को राज्य अपने स्तर पर बदलाव कर लागू कर देते है।?इस स्थिति में केंद्र सरकार ने भी यह समझ लिया है कि उनका मुख्य उद्देश्य कोरोना को नियंत्रित करना ही है, इसीलिए राज्यों पर किसी प्रकार की सख्ती से परहेज किया है। जनहित में ऐसा तालमेल सकारात्मक संकेत देता है। अमेरिका जैसे देशों के मुकाबले भारत ने कोविड-19 को हराने के लिए अच्छी लड़ाई लड़ी है लेकिन जिस प्रकार विश्व में फिर कोरोना के मरीज बढ़ रहे हैं केंद्र व राज्यों को सावधान व एकजुट होकर चलने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार के फैसले से यह स्पष्ट है कि लॉकडाउन लगाना केंद्र की मंशा नहीं है इसीलिए राज्यों को लॉकडाउन के लिए केंद्र की अनुमति अनिवार्य है। पहले ही लॉकडाउन लगने से देश की आर्थिक स्थिति डांवाडोल हो गई थी, इसीलिए अब केंद्र व राज्य सावधानी को ही प्राथमिकता दें, लेकिन दोनों को अपनी-अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभानी चाहिए। व्यापार, उद्योगों और रोजगार के लिए कोरोना नियमों का पालन ही सबसे बड़ा हथियार है। बिना लॉकडाउन के कोरोना से लड़ाई में आम जनता की जिम्मेवारी भी महत्वपूर्ण है इसीलिए यह हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि नियमों की पालना करने में ही सबकी भलाई है।

काश! नाराज लोगों को पहले ही समझाया-मनाया जाता

यह केवल पंजाब के किसानों का आंदोलन नहीं है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड सहित कम से कम छह राज्यों से किसान दिल्ली आने की कोशिश कर रहे हैं। इनमें से तीन राज्यों में भाजपा का शासन है, इन तीनों राज्यों का प्रशासन ही किसानों को दिल्ली आने से रोकता हुआ दिखा है। किसानों ने पहले ही कह दिया था कि हम दिल्ली आ रहे हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें मनाने के लिए क्या किया? प्रश्न है, आखिर देश के किसान क्यों इतने उत्तेजित हैं? उसके कुछ कारण हैं, जो बहुत वर्षों से किसानों की उपेक्षा की वजह से पैदा हुए हैं। केंद्र सरकार कोरोना के बीच ही तीन कानून ले आई। उसने कहा, पुराने कानून अच्छे नहीं हैं, नए कानूनों से किसानों का भला होगा। जिस तेजी में राज्यसभा से ये विधेयक पारित कराए गए, उस पर भी प्रश्नचिह्न उठे थे। तब जो विरोध हुआ था, उसमें कुछ विपक्षी सांसदों को निलंबित भी कर दिया गया था। सांसदों को समझाने में भी नाकामी हासिल हुई। अव्वल तो किसानों के साथ समन्वय नहीं बनाया गया था, संवाद कायम करने की बात तो भूल ही जाएं। लंबे समय से भाजपा का सहयोगी रहा शिरोमणि अकाली दल विरोध स्वरूप सरकार व गठबंधन छोड़ गया। आप उन्हें मना नहीं पाए। नाराजगी का कारण समझने की गंभीर कोशिशें नहीं हुईं।

किसानों की बड़ी शिकायत है कि उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिलेगा। सरकार बोल रही है कि मिलेगा, लेकिन उसने इसके लिए नए कानून में प्रावधान नहीं किए हैं। किसानों को लिखकर आश्वस्त नहीं किया गया है। बहुत सारे किसानों को सरकार पर यकीन है, लेकिन बहुत सारे किसान विश्वास करने को तैयार नहीं हैं। सरकार को गंभीरतापूर्वक किसानों को समझाना चाहिए था कि उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य जरूर मिलेगा। वे तो यहां तक आशंकित हैं कि उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी कम कीमत पर अनाज बेचना

पड़ेगा। सरकार कह रही है कि ऐतिहासिक कानून है, किसानों को बिचौलियों से आजादी मिलेगी, आय दोगुनी हो जाएगी, तो किसान आखिर क्यों नहीं इस पर विश्वास कर रहे? क्योंकि ऐसे वादे बहुत सरकारों ने किए, पर ऐसा कभी हुआ नहीं है। आप जो नया कानून लागू कर रहे हैं, किसान समझते हैं कि इससे बड़ी कंपनियों को मदद मिलेगी। इनसे छोटे किसान कैसे लड़ पाएंगे? किसानों को इन बड़ी कंपनियों के सामने मजबूत करने के लिए सरकार ने क्या किया है? कौन से कानूनी प्रावधान किए हैं, ताकि किसानों की आय सुनिश्चित हो सके? क्या किसानों को विवाद की स्थिति में वकील का खर्चा भी उठाना पड़ेगा? क्या हमारी सरकारों ने किसानों को इतना मजबूत कर दिया है कि वे बड़ी कंपनियों के हाथों शोषित होने से बच सकें? किसानों के बीच डर है, जिस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। कृषि उत्पादों की जब कीमत बढ़ती है, तब सरकार कीमत को कम रखने के लिए निर्यात रोक देती है, आयात बढ़ा देती है। जब कृषि उत्पादों की कीमत कम रहती है, तब सरकारें किसानों को भुला देती हैं, दोनों ही स्थिति में किसानों को ही नुकसान उठाना पड़ता है। किसानों को शिकायत है कि सरकार उपभोक्ताओं के बारे में तो सोचती है, लेकिन किसानों के बारे में नहीं। भारत में कोई भी कृषि कानून बनाते समय किसानों की स्थिति को जरूर देखना चाहिए। हमारे यहां करीब साढ़े छह लाख गांव हैं, लेकिन इन गांवों में ज्यादातर किसानों के पास बहुत कम जमीन है। किसानों के पास औसतन ढाई एकड़ जमीन है। देश में 85 प्रतिशत से ज्यादा छोटे किसान हैं। गांव में जो लोग रहते हैं, उनमें से करीब आधे भूमिहीन हैं। आधे से ज्यादा जमीन पर सिंचाई की व्यवस्था नहीं है। वित्त मंत्री से लेकर किसान तक इंद्रदेव की प्रार्थना करते हैं। इसके बावजूद भारत में जमीन बहुत ही कीमती चीज है, क्योंकि देश में विश्व के करीब 18 प्रतिशत लोग रहते हैं, पर दुनिया की ढाई प्रतिशत से भी कम जमीन यहां है। हमारे सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का हिस्सा 14-15 प्रतिशत तक गिर आया है। समस्या यह है कि देश की आबादी के आधे लोग कृषि पर निर्भर हैं। करीब 66 प्रतिशत ग्रामीणों की जीविका कृषि पर निर्भर है। इनसे भी समझा जा सकता है कि किसान क्यों परेशान हैं। वर्षों से उपेक्षा के बाद स्थिति विस्फोटक होती जा रही है। हमारे यहां किसानों को लेकर बड़ी-बड़ी बातें होती रही हैं, 'जय जवान जय किसान', 'भारत एक कृषि प्रधान देश है', पर आज सबसे ज्यादा जोखिम खेती-किसानी में ही है। ऐसे जोखिम में जिंदगी बिताने वाले किसानों की राह सरकार रोक रही है। हास्यास्पद है कि कोरोना के बहाने किसानों को रोकने की कोशिश हुई। बल प्रयोग या उपेक्षा से कतई समाधान नहीं निकलेगा, संवाद-समन्वय के रास्ते किसानों को आश्वस्त करना होगा।

एक फुटबॉलर, जो जीवित किंवदंती थे

माराडोना को पूरी दुनिया के लोगों से खूब प्यार मिला। पिछले विश्व कप में ही वह न तो खिलाड़ी के रूप में, और न ही कोच के रूप में टूर्नामेंट का हिस्सा थे। मगर कोलकाता तक में उनके बड़े-बड़े कटआउट टंगे थे। यह बताता है कि लोग उन्हें किस शिद्दत से चाहते थे। वैसे, माराडोना में भी लोगों का मन मोहने की भरपूर कला थी। मैच से पहले वार्म-अप करते हुए वह जब गेंद को अपनी उंगलियों और पैरों पर नचाया करते थे, तो दर्शक मानो पागल हो जाते थे। वह जगलिंग (फुटबॉल को जमीन पर गिरे बिना पैरों से लगातार उछालना) करते थे। फिर उसे उछालकर छाती में ठीक चुंबक की तरह चिपका लेते थे। फिर उसे अपने सिर पर ले लेते थे। गरदन के नीचे दबा लेते थे। यह सब देखने के लिए दर्शक काफी पहले से अपनी सीट पर जम जाते थे। वाकई, इसे देखना जादू सरीखा होता था। माराडोना की एक और खासियत थी। वह विभिन्न तरीकों से विपक्षी खिलाड़ियों को छकाने में माहिर थे। इसीलिए उन्हें लगातार 'मार्क' करके रखा जाता था, यानी विपक्षी टीम अपने चार-पांच खिलाड़ियों से उन्हें घेर लेती थी। फिर भी, वह न सिर्फ ड्रिबलिंग करते, बल्कि गेंद को आगे ले जाते। 'मार्किंग' होने की वजह से जब वह गोल नहीं कर पाते, तो साथी खिलाड़ियों को छोटे-छोटे पास देते और विपक्षी टीम के गोलपोस्ट के करीब पहुंचते। उनका यही प्रयास विपक्ष टीम को दबाव में लाने के लिए काफी होता था। अपनी अद्भुत प्रतिभा के कारण माराडोना अर्जेंटीना की जूनियर टीम में चयनित होने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी थे। वर्ष 1976-1981 में वह जूनियर टीम के सदस्य रहे। इसके बाद वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बने। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए उन्होंने अर्जेंटीना के लिए चार फीफा विश्व कप में भाग लिया, जिसमें 1986 का विश्व कप उन्होंने अपनी कप्तानी में जर्मनी को हराकर देश के नाम किया।

वह जिंदादिल थे। बहादुर थे। जीनियस थे। इतिहास के सबसे निपुण खिलाड़ी थे। जादूगर थे। हीरो थे। परम आदर्श थे... और न जाने क्या-क्या थे। डिएगो अरमांडो माराडोना फुटबॉल की दुनिया में सिर्फ एक नाम नहीं थे। वह जीते-जागते किंवदंति थे। ऐसी कोई उपमा नहीं है, जो उनसे जुड़ी हुई नहीं थी। वह सही मायने में फुटबॉल के शहंशाह थे। उनका जाना मुझ जैसे कई खिलाड़ियों के लिए व्यक्तिगत क्षति है। खेल की विशिष्ट तकनीक और कौशल उन्हें अपने समकक्षों से अलग मुकाम पर ले जाती है। मैदान पर उनकी चपलता देखते ही बनती थी। बाएं पैर का अधिकाधिक इस्तेमाल कई खिलाड़ी करते हैं। मैसी भी बाएं पैर से ही अपना हुनर दिखाते हैं, लेकिन माराडोना की खासियत यह थी कि वह बाएं पैर से बखूबी ड्रिबलिंग (विपक्षी खिलाड़ियों को छकाते हुए गेंद को आगे की तरफ ले जाना) करते थे। वह ड्रिबलिंग करते-करते गोल पोस्ट तक पहुंचते और फिर दाएं पैर से गोल दागा करते। उनका यह कौशल उन्हें इसलिए बाकी खिलाड़ियों से अलग करता था, क्योंकि फुटबॉल बहुत तेज खेल है और इसमें बॉडी-कॉन्टैक्ट बहुत ज्यादा होता है। मेरा मानना है कि देश-दुनिया में ऐसा कोई दूसरा खेल शायद ही है, जिसमें इस कदर खिलाड़ी एक-दूसरे से भिड़ते हैं और पैरों से ही सब कुछ करते हैं। माराडोना हाफ-लाइन से भी अपने बूते गोल करने में सक्षम थे। 1986 के फीफा विश्व कप में इंग्लैंड के साथ मुकाबले में उन्होंने जो 'गोल ऑफ द सेंचुरी' किया था, वह यही तो था। उस दिलचस्प मुकाबले में मिडफील्डर हेक्टर एनरिक ने अपनी ही हाफ में उन्हें गेंद पास किया था। इसके बाद डिएगो माराडोना ने इंग्लैंड के चार-चार आउटफील्डर को, जिनमें पीटर बेयर्डस्ले, पीटर रीड, टेरी बुचर और टेरी फेनविक थे, न सिर्फ छकाया, बल्कि गोलकीपर पीटर शिल्टन के बगल से गेंद नेट में डाल दी। अर्जेंटीना और इंग्लैंड का यह वही मैच है, जिसमें 'द हैंड ऑफ गॉड' गोल हुआ था। हालांकि, सच यह भी है कि आज कथित तौर पर हाथ से किया गया वह गोल शायद ही मान्य होता। उस वक्त चूंकि फुटबॉल की दुनिया तकनीकी तौर पर इतनी समृद्ध नहीं थी कि एक्शन रिप्ले से 'सच' पता चल जाता। तब इंग्लैंड के गोलकीपर पीटर शिल्टन ने ऐतराज भी जताया था, लेकिन अंपायर ने डिएगो माराडोना के पक्ष में फैसला सुनाया। संभवतः विवादित होने की वजह से ही माराडोना ने उसे 'हैंड ऑफ गॉड' कहा था, यानी उसे ईश्वर की मर्जी से हुआ गोल बताया था। माराडोना को पूरी दुनिया के लोगों से खूब प्यार मिला। पिछले विश्व कप में ही वह न तो खिलाड़ी के रूप में, और न ही कोच के रूप में टूर्नामेंट का हिस्सा थे। मगर कोलकाता तक में उनके बड़े-बड़े कटआउट टंगे थे। यह बताता है कि लोग उन्हें किस शिद्दत से चाहते थे। वैसे, माराडोना में भी लोगों का मन मोहने की भरपूर कला थी। मैच से पहले वार्म-अप करते हुए वह जब गेंद को अपनी उंगलियों और पैरों पर नचाया करते थे, तो दर्शक मानो पागल हो जाते थे। वह जगलिंग (फुटबॉल को जमीन पर गिरे बिना पैरों से लगातार उछालना) करते थे। फिर उसे उछालकर छाती में ठीक चुंबक की तरह चिपका लेते थे। फिर उसे अपने सिर पर ले लेते थे। गरदन के नीचे दबा लेते थे। यह सब देखने के लिए दर्शक काफी पहले से अपनी सीट पर जम जाते थे। वाकई, इसे देखना जादू सरीखा होता था। माराडोना की एक और खासियत थी। वह विभिन्न तरीकों से विपक्षी खिलाड़ियों को छकाने में माहिर थे। इसीलिए उन्हें लगातार 'मार्क' करके रखा जाता था, यानी विपक्षी टीम अपने चार-पांच खिलाड़ियों से उन्हें घेर लेती थी। फिर भी, वह न सिर्फ ड्रिबलिंग करते, बल्कि गेंद को आगे ले जाते। 'मार्किंग' होने की वजह से जब वह गोल नहीं कर पाते, तो साथी खिलाड़ियों को छोटे-छोटे पास देते और विपक्षी टीम के गोलपोस्ट के करीब पहुंचते। उनका यही प्रयास विपक्ष टीम को दबाव में लाने के लिए काफी होता था। अपनी अद्भुत प्रतिभा के कारण माराडोना अर्जेंटीना की जूनियर टीम में चयनित होने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी थे। वर्ष 1976-1981 में वह जूनियर टीम के सदस्य रहे। इसके बाद वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बने। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए उन्होंने अर्जेंटीना के लिए चार फीफा विश्व कप में भाग लिया, जिसमें 1986 का विश्व कप उन्होंने अपनी कप्तानी में जर्मनी को हराकर देश के नाम किया। खेल-जीवन के अपने चरम पर वह बार्सिलोना और नपोली क्लब से भी जुड़े और अपना हुनर दिखाया। डिएगो माराडोना ने बहुत कम समय में ही अभूतपूर्व सफलता, प्रसिद्धि और धन कमाए। वह अन्य खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए अविस्मरणीय रहे। मगर उनका पथहीन हो जाना निराशाजनक था। सही पथ-प्रदर्शक न मिल पाने की वजह से उन्हें मैदान से बहुत जल्दी बाहर हो जाना पड़ा। नशा-सेवन को लेकर भी उनकी आलोचना हुई और क्लब के अन्य खिलाड़ियों के साथ मनमुटाव को लेकर भी बदनामी उनके सिर बंधी। लिहाजा, यह कहा जा सकता है कि माराडोना का जीवन एक सीख है कि सफलता प्राप्त करने, उसे बनाए रखने के लिए हमारा अनुशासित रहना जरूरी है। हमें अपनी प्रतिभा व कौशल की कद्र करनी चाहिए और लोगों के सामने मिसाल पेश करनी चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि महान खिलाड़ियों के जीवन को लोग अपने जीवन में उतारना चाहते हैं। माराडोना बस इसी मामले में थोड़े कमजोर देखते हैं। फिर भी, युवा खिलाड़ी और प्रशंसक उनके जीवन से कई तरह की प्रेरणा ले सकते हैं। माराडोना ने अर्जेंटीना की राष्ट्रीय राजनीति में भी शिरकत की और वहां की वामपंथी पार्टी को अपना समर्थन दिया। मगर सियासत से ज्यादा वह एक फुटबॉलर के तौर पर ही लोगों को भाए। आर्थिक रूप से कई गरीब खिलाड़ियों की सहायता करके उन्होंने उनका दिल जीता। कुल मिलाकर, वह एक बेहतरीन फुटबॉलर थे और अपने जादुई व्यवहार व कौशल से लोगों को नचाना जानते थे।

गज़ल

जब प्यार किसी से होता है

जब प्यार किसी से होता है , इक अजीब सा खुमार होता है ।
मस्ती का आलम रहता है हर पल , दिल बेकरार होता है ।
होता है यार नकाब में फिर भी शौक़े - दीद रहती है हर पल
नज़रों से नज़रें मिलती हैं , आंखों में अश्क बेशुमार होता है ।
हर पल बेकरार रहती है ज़ुबां , करने को राज़ - ए- इश्क ब्यां
मगर इश्क वो बला है ज़ालिम कि ज़ुबां से ना इकरार होता है ।
सीने में होती है सरसराहट , हर पल महसूस होती है उनकी
आहट , झूमता है दिल नशे में ,जब इश्क बेशुमार होता है ।
सताती है प्रेम को हर पल यार की याद, तड़पती है रातों में
ना सुकुन मिलता है रातों में , ना दिन में ना करार होता है ।

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

संविधान अपने नागरिकों से आखिर क्या चाहता है

संविधान हमारे देश का सर्वोच्च विधान भर नहीं है, बल्कि यह तो वह गौरव-ग्रंथ है, जिससे विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश यानी हमारे भारत का संचालन होता है। संसार के सबसे बड़े और लिखित संविधान की प्रस्तावना में ही यह स्पष्ट दर्ज है कि संविधान की शक्ति सीधे जनता में निहित है। संविधान किन आदर्शों, आकांक्षाओं को प्रकट करता है, इसे इसकी प्रस्तावना में उल्लिखित 'हम भारत के लोग' शब्दों से साफ-साफ समझा जा सकता है। ये सिर्फ शब्द नहीं हैं, बल्कि यह हमारी महान भारतीय संस्कृति के जीवन-दर्शन को रेखांकित करने वाला शब्द-पद है। हमारा संविधान देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय ही प्रदान नहीं करता, बल्कि विचारों की अभिव्यक्ति, अपने विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता भी प्रदान करता है। समता की स्थापना और व्यक्ति की गरिमा को कायम रखते हुए राष्ट्र की एकता सुनिश्चित करने वाली बंधुता के लिए भी हमारा संविधान कृत संकल्प है। भारतीय संविधान मानव अधिकारों का एक वैश्विक दस्तावेज है। मैं यह मानता हूं कि मानव अधिकारों की सुरक्षा की सबसे विश्वसनीय व्यवस्था कहीं पर है, तो वह भारतीय संविधान में ही है। हमारा संविधान समता पर आधारित ऐसी मानवीय व्यवस्था है, जिसमें सभी को निर्भय रहते हुए उच्च आदर्शों का जीवन जीने की प्रेरणा दी गई है। भारतीय संस्कृति में अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन से मानवीय गरिमा की स्थापना पर जोर दिया जाता रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कभी कहा था कि 'कर्तव्यों के हिमालय से अधिकारों की गंगा बहती है।' इसी नजरिये से भारतीय संविधान को वर्तमान संदर्भों में गहराई से देखे और समझे जाने की जरूरत है। बहुत बार हमें यह लगता है कि संविधान में दिए अधिकारों के प्रति तो हम जागरूक रहते हैं, परंतु कर्तव्यों के प्रति उदासीन होते जा रहे हैं। अपने अधिकारों और हितों के लिए लड़ना, आंदोलन करना नागरिक का सांविधानिक अधिकार हो सकता है, लेकिन इसकी आड़ में राष्ट्र की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, लोगों को जान-माल की हानि पहुंचाना, कानून तोड़ना, सरकारी इमारतों को नुकसान पहुंचाना अराजकता है।

बिरह का जंगल....

नींदों का अमंगल मरुभूमि है यें ।
बिरह का जंगल सुनि सुनि है यें ।।-2
भयंकर रातों की यादें है यें ।
अदभुत त्रासों की म्यादें है यें।। -2
ख्वाबों का अमंगल मरुभूमि है यें।
बिरह का जंगल सुनि सुनि है यें ।।
भयंकर रातों की यादें है यें ।
अदभुत नासों की प्यादें हैं यें।।
नयें नयें ठाउँ ठहर में ।
नयें नयें गाउँ शहर में ।।
बिखल बन्द सभाओं में ।
शीतल मन्द हवाओं में ।।
अब तो मुझे वनवास हुआ।
नींदोंमें ख्वाबोंका आभास हुआ।।
बिरहों से स्यावासी मिला ।
बीहड़ों से स्यावासी मिला ।।
बिरहों के बीहड़ों में जंगलों में ,
बीते हुए कितने यादें आए ।
नींदों के अमंगल मरुभूमि से,
निकले हुए कितने फरियादें आए।।
बीते हुए कितने अपने आए ।
सोयें हुए कितने सपने आए ।।

छुपे हुए कितने कल्पनायें आए।
रोते हुए कितने अपने आए।।
नींदों का अमंगल मरुभूमि है यें ।
बिरह का जंगल सुनि सुनि है यें ।।
भयंकर रातों की यादें है यें ।
अदभुत त्रासों की म्यादें है यें।।

स्वरचित एवं मौलिक
मनोज शाह मानस
सूदर्शनपार्क मोती नगर
नई दिल्ली

अद्भुत मौत

कलियुग का चम्तकार
रिश्ते कितने लाचार
महामारी कोरोना से
नई प्रचलन का आगाज
अंतिम बिदाई का दृश्य
असमंजस में पुरा परिवार
मौत के भय के कारण
दूर-दूर सब रिश्तेदार
लावारिस लाश सा व्यवहार
केवल सरकारी दाह-संस्कार
नही सुना वेद-उपनिषद
नहीं वाईविल, न्ही कुरान
न गीता ,न रामायण में
अद्भुत मौत लाया कोरोना
विश्व समुदाय भी है हैरान
रिश्ते को दी नई पहचान।

शिवनन्दन सिंह.
सुनैना निवास
साधुडेरा बिरसानगर
जमशेदपुर झारखण्ड।

कशमकश

दूसरों के रास्ते से पत्थर हटाने वाले,
खुद अपने रास्ते में वही पत्थर पाते हैं,
तब वह सिर्फ पत्थर ही नहीं हटाते हैं,
पत्थर रखने वाले को ही हटा देते हैं,
दूसरों की बिगड़ी में साथ निभाने वाले,
जब खुद को समस्याओं में अकेला पाते हैं,
तब वह साथ देने वाला साथी नहीं ढूंढ़ते हैं,
अपने पथ पर आगे बढ़ काफिला बनाते हैं,
पथ में पड़े कांटों को शिद्दत से हटाने वाले,
कांटा चुभने पर कभी आंसू नहीं बहाते हैं,
कांटों को उसका वजूद और औकात बताते हैं,
कांटों चुभ न सके,शरीर ऐसा फौलाद बनाते हैं,
आग से लोगों को झुलसने से बचाने वाले,
आग में जब तप कर कुंदन बन जाते हैं,
संसार को बदल दे, ऐसा तूफान लाते हैं,
क्रांति की राह पर चल नया इतिहास बनाते हैं...

बिपिन कुमार चौधरी
कटिहार, बिहार

आत्मसम्मान

अस्पताल में अफ़रा तफ़री मच गई एक्सिडेंट में बहुत बुरी तरह ज़ख्मी कोई पेशन्ट आया था। दीप्ति ने देखा वो पेशन्ट शशांक था जिससे दीप्ति कभी बेइन्तहाँ प्यार करती थी, अपनी जान से ज़्यादा चाहती थी। बेशक शशांक को इस हालत में देखकर दीप्ति का दिल चर्रा उठा पर लहू-लुहान पूरी तरह से ज़ख्मी शशांक के लिए दीप्ति के मन में रत्ती भर भी अनुकंपा नहीं जन्मी। नो डाउट शशांक के प्रति मन में नफ़रत का बिज था पर दीप्ति ने उसे पनपने नहीं दिया, एक आम पेशन्ट के प्रति जैसे अपना फ़र्ज़ निभाती है वैसे ही दिन रात अपनी नर्स की ड्यूटी बजाती रही। तो क्या हुआ की शशांक ने रीना के साथ अफेर किया, तो क्या हुआ की शशांक ने धोखा दिया, तो क्या हुआ कि तलाक को तीन साल हो गया उन सारी बातों को एक नर्स और पेशन्ट के रिश्ते संग नहीं तोल सकती। दीप्ति ने सोचा जब बिना कोई शिकायत के उस वक्त भी शशांक को शादी के रिश्ते से आज़ाद कर दिया था तो अब कैसी शिकायत जब अतीत को बहुत पीछे छोड़ आई हूँ मैं अपना फ़र्ज़ कैसे भूलूँ। और अपने फ़र्ज़ के प्रति समर्पित दीप्ति की सुश्रृषा से चार दिन बाद शशांक होश में आया तब डोक्टर वर्मा ने कहा हैलो यंग मेन यू आर सो लकी हमारी काबिल नर्स दीप्ति को धन्यवाद कहें जिसने दिन रात आपकी सेवा करके आपकी जान बचाई। शशांक दीप्ति को देखकर शर्मिंदा हो गया और बोला बोला डोक्टर इस देवी को थैंक्यु बोलकर अपमान करना नहीं चाहता, इनकी सेवा और सौहार्द भाव के आगे नतमस्तक हूँ। दीप्ति ने पंद्रह दिन तक शशांक की जी जान से सेवा की, हाँ कभी-कभी अंग से अंग की छुअन से दोनों के दिल में खलबली मच जाती थी पर ना दीप्ति ने ज़ाहिर होने दिया ना शशांक ने जताया। आज शशांक को अस्पताल से छुट्टी मिलने वाली थी आख़री ड्रेसिंग करके दीप्ति जाने लगी तो शशांक ने दीप्ति का हाथ

थाम लिया और बड़े प्यार से पास बिठाया। और दीप्ति के काँधे पर सर रखकर सौरी कहते हुए छोटे बच्चे कि तरह रो पड़ा। सौरी दीप्ति मैंने तुम्हारे साथ बहुत अन्याय किया फिर भी तुमने मेरी इतनी सेवा की और मौत के मुँह से बचाया। तुम जैसे खरे सोने को पहचान नहीं पाया और पित्तल के पीछे पागल हुआ, दीप्ति मैं माफ़ी के काबिल तो नहीं पर हो सके तो मुझे माफ़ कर दो तुम्हारा दिल दुखाने की सज़ा ही उपर वालें ने दी है मुझे। तुम तो बिना कोई शिकायत किए मुझे आज़ाद करके चली गई पर रीना को सिर्फ़ मेरी दौलत में रस था तो जो हाथ आया लेकर फ़रार हो गई। मैं तो उस काबिल भी नहीं था की तुमसे माफ़ी मांग कर वापस बुला सकूँ पर शायद भगवान हम दोनों को वापस मिलाना चाहता है तभी कोई मुझे इसी अस्पताल में पहुँचा गया। सोचो तुम एक स्त्री हो कैसे पूरी ज़िंदगी अकेले काटोगी क्या हमारे रिश्ते को एक और मौका नहीं दे सकती। दीप्ति असमंजस में थी शशांक का एक छोटा सा शब्द सौरी दीप्ति के नाजुक मन को पिघला भी रहा था तो दूसरी ओर आत्मसम्मान अपना दायरा लाँघने को तैयार नहीं था। दिल चाह रहा था सब भूलकर शशांक को माफ़ कर दिया जाए, पर मन कह रहा था क्या पता कल कोई दूसरी रीना भा जाए और वापस दीप्ति खिलौना बन जाएं। एक झटके में कमज़ोर ख़याल को दिमाग से अलविदा कहते दीप्ति खड़ी हो गई और बोली कैसे दोगले इंसान हो मिस्टर शशांक, रीना से रिश्ता बनाते वक्त और मुझे तलाक देते वक्त ये ख़याल नहीं आया कि मैं औरत हूँ अकेली पूरी ज़िंदगी कैसे काटूँगी। आज जब रीना आपको छोड़कर चली गई और ज़िंदगी में वापस किसी औरत की कमी महसूस हुई तो मेरी की हुई सेवा का बदला अहसान जताते चुकाना चाहते हो। पर सुन लो तो क्या हुआ की मैं स्त्री हूँ, वो भी अकेली पर मैं 21वीं सदी की नारी हूँ बिना किसी मर्द के सहारे के भी ज़िंदगी जी सकती हूँ, और वो आपने ही मुझे सिखाया है तो अब मैं किसीको हक नहीं देती अपनी ज़िंदगी से खेलने का। अगर टूटकर किसीको चाह सकती हूँ तो आत्मसम्मान की ख़ातिर ठुकरा भी सकती हूँ। सौरी मिस्टर शशांक आप ख़ामख़ाँ भावुक हो रहे है, मैं कोई खिलौना नहीं कि आप जब जी चाहे खेलो और जब जी चाहे तोड़ दो। मैंने जो किया वो प्यार या चाहत में बावली बनकर नहीं किया आपकी जगह कोई और होता तो भी अपना फ़र्ज़ ऐसे ही निभाती ये मेरी ड्यूटी है, सो प्लीज़ डोन्ट बी इमोशनल अपने आप को संभालिए। मैं आपके डिस्चार्ज के कागज़ात तैयार करवाती हूँ आज आपको छुट्टी दी जा रही है। और दीप्ति अपने आत्मसम्मान को ज़िंदा रखते हुए एक ठोस निर्णय लेकर एक कमज़ोर इंसान की खोखली चाहत को ठोकर मार कर गर्वित गरदन उठाए आगे बढ़ गई।

(भावना ठाकर बेंगलोर)भावु

जब यामी गौतम ने पेरेंट्स को बताई विक्की डोनर की कहानी, तो ऐसा था पिता का रिएक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम आज अपना 32वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। उन्होंने अपनी एक्टिंग से लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। यामी ने फिल्म विक्की डोनर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। फिल्म में वह आयुष्मान खुराना के अपोजिट नजर आई थीं। एक इंटरव्यू में यामी ने बताया था कि इन्फर्टिलिटी और स्पर्म डोनेशन पर आधारित इस फिल्म लेकर उनके पेरेन्ट्स का कैसा रिएक्शन था। इंडिया टुडे कॉनक्लेव 2018 साउथ में यामी ने कहा, विक्की डोनर के लिए ऑडिशन के दौरान मैंने कास्टिंग डायरेक्टर से पूछा कि यह फिल्म किस बारे में हैं? वह मुस्कुराईं। फिल्म मिलने के बाद मुझे इसकी कहानी के बारे में पता चला। अब मुझे यह बात पेरेंट्स को बतानी थी। जब मेरे पिता ने फिल्म को लेकर पूछा तो मैंने उन्हें स्क्रिप्ट दे दी। वह स्क्रिप्ट पढ़कर बोले- यह काफी कूल है। शूजित सरकार के निर्देशन में बनी फिल्म विक्की डोनर बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुई थी। क्रिटिक्स और दर्शकों ने फिल्म को खूब सराहा था। इसके बाद यामी बदलापुर, काबिल और उरी= द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उनकी फिल्म गिन्नी वेड्स सन्नी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है जिसमें उन्होंने विक्रांत मैसी के साथ स्क्रीन शेयर किया है। बता दें कि इन दिनों यामी गौतम धर्मशाला में फिल्म भूत पुलिस की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म में वह अर्जुन कपूर, सैफ अली खान और जैकलीन फर्नांडिस के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन पवन कृपलानी कर रहे हैं।

शाहीर शेख ने रुचिका कपूर से की शादी, एकता कपूर ने कही यह बात

शाहीर शेख ने गर्लफ्रेंड रुचिका कपूर से शादी कर ली। दोनों ने कोर्ट मैरिज की है। इस दौरान शाहीर ने व्हाइट कुर्ता-पजामा पहना है, वहीं रुचिका ने ब्लू कलर का सूट पहना है। शाहीर ने एक इंटरव्यू में कहा, हमारे रिश्ते की सबसे अच्छी बात यह है कि हम पहले अच्छे दोस्त हैं, फिर पति-पत्नी। एक एक्टर होने के नाते मुझे हर पल कैमरे के सामने एक किरदार में रहना पड़ता है, लेकिन मुझे एक ऐसी पार्टनर मिली है, जिसके सामने मैं वह बना रह सकता हूं, जो मैं असल में हूं। बता दें कि रुचिका कपूर, एकता कपूर फिल्म्स की हेड हैं। लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शाहीर ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर रिलेशनशिप स्टेटस कन्फर्म किया था। बता दें कि शाहीर अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करना पसंद नहीं करते हैं। पहले भी उन्होंने कभी नहीं किया है। दो साल पहले शाहीर की मुलाकात रुचिका से एक कॉमन दोस्त के जरिए हुई थी। उस समय रुचिका फिल्म 'जजमेंटल है क्या' के काम में व्यस्त थीं। दोनों अच्छे दोस्त बने और डेढ़ साल पहले ही डेट करना शुरू किया। अब दोनों ही इस रिलेशनशिप को आगे लेकर जाना चाहते हैं। शाहीर शेख 'महाभारत', 'ये रिश्ते हैं प्यार के', 'झांसी की रानी' और 'तेरी मेरी लव स्टोरी' समेत कई सीरियल्स का हिस्सा रह चुके हैं।

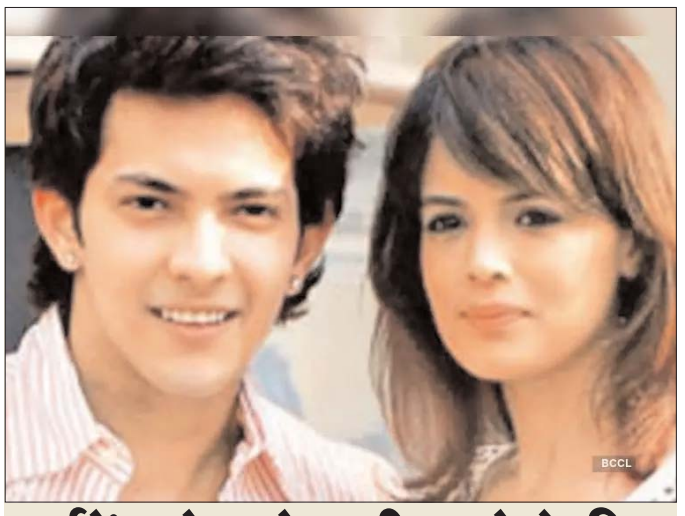

गर्लफ्रेंड श्वेता से शादी करने के लिए एक्साइटेड हैं आदित्य नारायण

आदित्य नारायण 1 दिसंबर को श्वेता अग्रवाल से शादी करने वाले हैं। आदित्य और श्वेता मंदिर में शादी करेंगे और कोविड की वजह से शादी में सिर्फ करीबी लोग ही शामिल होंगे। शादी के बाद रिसेप्शन पार्टी रखी जाएगी लेकिन उसमें भी कम लोग शामिल होंगे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आदित्य ने अपनी शादी को लेकर बात की। इसके अलावा आदित्य ने बताया कि वह श्वेता के साथ अपनी जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। आदित्य ने कहा, यह हमारी जिंदगी का नया चैप्टर है। मैं श्वेता के साथ अपनी नई लाइफ शुरू करने के लिए काफी एक्साइटेड हूं। हम एक-दूसरे को 12 सालों से जानते हैं जिसमें 10 साल हमारे रिलेशन को हो गए हैं। हम एक-दूसरे को ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड के तौर पर जानते हैं, लेकिन लोग कहते हैं कि शादी के बाद चीजें बदल जाती हैं। तो देखते हैं क्या होता है। आदित्य ने इससे पहले एक इंटरव्यू में बताया था कि शुरुआत में श्वेता को लगता था कि आदित्य वुमनाइजर लगते हैं। श्वेता को लगता था आदित्य लड़कियां घुमाते हैं। लेकिन जब श्वेता ने आदित्य को अपने परिवार के साथ देखा तो तब उन्हें समझ आया कि आदित्य एक फैमिली मैन हैं। इसके बाद श्वेता को एहसास हो गया था कि मुझे भी रिश्तों की कद्र है। श्वेता के साथ अपनी पहली डेट के बारे में बताते हुए आदित्य ने कहा था, हम दोनों फिल्म शापित के सेट पर मिले थे। एक दिन मैंने श्वेता को बोला कि साथ में लंच करते हैं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। फिर मेरी मां ने श्वेता को समझाया था कि हम दोनों साथ में काम कर रहे हैं तो हमें लंच पर जाना चाहिए। हम साथ में गए, लेकिन वह वहां मुंह फुलाए बैठी थी।

मूवी बुलबुल रिलीज हुई जिसे दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिला.

अनुष्का शर्मा ने हाल ही में बॉम्बे टाइम्स से बातचीत के दौरान निजी जीवन से जुड़ी बातों पर चर्चा की. अनुष्का ने बताया कि वे मां बनने को लेकर जितना उत्सुक हैं उतना ही उत्सुक वे काम पर वापस लौटने को लेकर भी हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा जल्द ही मां बनने जा रही हैं. एक्ट्रेस पिछले कुछ समय से फिल्म इंडस्ट्री से गायब थीं और इसी बीच उन्होंने पर्सनल फ्रंट पर मां बनने का बड़ा फैसला लिया. अनुष्का शर्मा खुद भी मां बनने को लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रही हैं और वे जीवन को अभी से ही एक अलग दृष्टिकोण से देखने लगी हैं. जाहिर सी बात है कि मां बनने के बाद हर एक चीज पहले जैसी तो रह नहीं जाएगी. अनुष्का शर्मा ने हालिया इंटरव्यू में बताया कि मां बनने के बाद उनका जीवन कैसा होने जा रहा है. अनुष्का शर्मा ने हाल ही में बॉम्बे टाइम्स से बातचीत के दौरान निजी जीवन से जुड़ी बातों पर चर्चा की. अनुष्का ने बताया कि वे मां बनने को लेकर जितना उत्सुक हैं उतना ही उत्सुक वे काम पर वापस लौटने को लेकर भी हैं. अनुष्का शर्मा ने कहा- मैं मां बनने के तुरंत बाद ही शूटिंग सेट पर वापसी करूंगी. मैं ये सुनिश्चित करूंगी कि ऐसा सिस्टम लाइफ का बनकर तैयार हो जाए जिससे मैं अपने बच्चे, घर और काम के बीच में पूरा सामंजस्य बना सकूं. मैं जब तक जीवित रहूंगी काम करती रहूंगी क्योंकि एक्टिंग से मुझे वास्तव में बहुत खुशी मिलती है. अनुष्का से पहले भी कई सारी एक्ट्रेस ऐसी रही हैं जिन्होंने प्रेग्नेंसी के बाद शानदार वापसी की है. करीना कपूर खान इसका बेस्ट एग्जाम्पल हैं. फिलहाल वे भी प्रेग्नेंट हैं. कुछ समय पहले ही करीना ने आमिर खान के साथ लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग पूरी की. इसके अलावा उन्होंने प्रेग्नेंसी फोटोशूट भी कराया. अब देखने वाली बात होगी कि अनुष्का आने वाले वक्त में अपनी लाइफ को किस तरह से संतुलित करती हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो वे पिछली बार फिल्म जीरो में नजर आई थीं.

बिग बॉसः सलमान खान ने घरवालों को दिया झटका, अगले हफ्ते होगा शो का फिनाले!

इस साल बिग बॉस 14 की शुरुआत खूब जोर शोर से सीन पलटने के दावे के साथ किया गया था. 3 अक्टूबर से शुरू हुए बिग बॉस 14 में शुरुआती दिन कुछ खास नहीं रहे लेकिन धीरे-धीरे गेम ने रफ्तार पकड़ना शुरू कर दिया है. इस बीच कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आए लेकिन अब लगता है गेम का सबसे बड़ा ट्विस्ट आने वाला है. शो के होस्ट सलमान खान वीकेंड का वार में घरवालों को बताते हैं कि बिग बॉस का फिनाले वीक अगले हफ्ते होने वाला है. इस वीकेंड का वार में सलमान खान बड़ा ऐलान करने वाले हैं. शो के प्रोमो में सलमान घरवालों से पूछते है- क्या आपको पता है बिग बॉस का फाइनल कब होने वाला है. इसपर निक्की तंबोली ने जनवरी 2021 जवाब दिया. फिर सलमान सभी को चौंकाते हुए बताते हैं कि बिग बॉस 14 का फाइनल अगले साल नहीं बल्कि अगले हफ्ते होने वाला है. फाइनल में सिर्फ 4 कंटेस्टेंट्स ही रहेंगे. प्रोमो में दिखाई गई यह घोषणा अब या तो सच है या तो फ्रैंक यह शो ऑन-एयर होने पर पता चलेगा. फिलहाल, घरवालों और दर्शकों के लिए बिग बॉस 14 के फाइनल को लेकर उत्सुकता है. बता दें इस वक्त घर में 9 कंटेस्टेंट्स हैं. इनमें रुबीना दिलैक, कविता कौशिक, एजाज खान, राहुल वैद्य, निक्की तंबोली, जैस्मिन भसीन, अली गोनी, अभिनव शुक्ला और पवित्रा पुनिया शामिल हैं. इनमें निक्की तंबोली और एजाज खान को छोड़कर बाकी सभी लोग एविक्शन के लिए नॉमिनेटेड हैं.

गुंडों पर शिवराज का वार

बदमाश बबलू उर्फ बलराम माली का मकान प्रशासन ने तोड़ा

इंदौर। योगी आदित्यनाथ की तरह अब शिवराज सरकार भी गुंडा विरोधी अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में ऐसे ही एक हिस्ट्रीशीटर के मकान पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। इंदौर के नामी गुंडे बबलू और बलराम माली के मकान को शनिवार 28 नवंबर की सुबह को धराशाई कर दिया गया। नगर निगम, पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही में बबलू के मकान को जमींदोज किया गया। बबलू पर इंदौर एवं आसपास के जिलों में कई अपराधिक मामले दर्ज है। इंदौर में अपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध शुरू किए गए अभियान गुंडा विरोधी अभियान के तहत लिस्टेड अपराधी एवं गुंडे बबलू राम माली का मकान भी तोड़ दिया गया। इसी अभियान की कार्यवाही के तहत कंप्यूटर बाबा का अवैध आश्रम भी तोड़ा गया था। इंदौर नगर निगम अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह के अनुसार भवरकुआं थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पालदा स्थित बबलू के इस मकान को गिराने जब पुलिस टीम नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पहुंचे तो बबलू के रिश्तेदार व परिवार वालों ने इसका विरोध किया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद बल प्रयोग कर

अतिक्रमण विरोध इस कार्यवाही को अंजाम दिया गया। बबलू ने अपना मकान कई गुना अतिक्रमण कर रखा था। उसके मकान में कई दुकाने एवं किराएदारों के लिए रूम अतिक्रमण बनाये गए थे।

भोपाल में भी अवैध निर्माण गिराया-भोपाल रेलवे स्टेशन के समीप स्थित करोंद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ईरानी डेरे के अतिक्रमण को नगर निगम, पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन ने किया जमीदोज, जिसमें करीब 40 दुकानें, रेस्टोरेंट्स एवं होटल शामिल हैं। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के समीप स्थिति ईरानी डेरे का अतिक्रमण कई सालों से इसी तरह मुंह चिढ़ा रहा था। वर्ष 2017 में हाईकोर्ट ने यहां की 12 हजार वर्गफीट अतिक्रमित जगह जो हमीदिया सड़क के किनारे है, को सरकारी घोषित कर दिया था। उसके बाद 3 साल तक पता नहीं क्यों सरकार और प्रशासन यहां से अतिक्रमण हटाने के लिए डर रही थी। इस जमीन पर हुसैनी जन कल्याण समिति नामक एक एनजीओ का अवैध कब्जा था। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि प्रदेश की राजधानी जहां से सरकार पूरे प्रदेश को चलाती है, वही एक बड़े क्षेत्र पर फैले अतिक्रमण को हटाने में सरकार और सरकारी अधिकारी लंबे समय से हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। हालांकि जब 28 नवंबर, शनिवार की सुबह यहां अतिक्रमण हटाया गया तो स्थानीय लोगों मैं हंगामा होने को लेकर काफी डर व्याप्त था, लेकिन सारी कार्यवाही शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। कार्यवाही के लिए दो जेसीबी और दो पोकलेन मशीनों का उपयोग किया गया। कुछ समय पहले पुलिस एवं नगर निगम का अमला इसी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंचा था तब पुलिस और नगर निगम के अमले पर स्थानीय अतिक्रमण करने वाले लोगों द्वारा हमला कर दिया गया था। जिसमें पुलिस के कई जवान घायल हो गए थे, इसमें पुलिस द्वारा एक गिरफ्तारी भी की गई थी।

राजस्थान में कोरोना जांच की कीमत तय, अब देने होंगे 800 रुपए

जयपुर। राजस्थान में कोरोना के आंकड़े लगातार बढ़ते जा रहे है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोग कोरोना की जांच करा रहे है लेकिन निजी लैब में उन्हें यह जांच कराने के लिए अब तक 1200 रुपये का शुल्क देना पड़ रहा था। ऐसे में अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आम लोगों को राहत देते हुए फैसला किया है कि राज्य की निजी लैब में कोविड के लिए होने वाला आरटीपीसीआर टेस्ट अब 800 रुपए में किया जाएगा।

शनिवार को चिकित्सा विभाग की वीडियो कांफ्रेंस के दौरान सीएम गहलोत ने यह बात कही। इस दौरान चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा, चिकित्सा राज्यमंत्री डॉक्टर सुभाष गर्ग समेत चिकित्सा विभाग के आला अधिकारी मौजूद रहे। सीएम की ओर से इस संबंध में घोषणा होने के बाद जल्द ही इसके औपचारिक आदेश जारी कर दिए जाएंगे।

राजस्थान में हो रहे हैं केवल आरटीपीसीआर टेस्ट-बता दें कि राजस्थान में कोरोना जांच के लिए केवल आरटीपीसीआर टेस्ट ही किए जा रहे है। सीएम गहलोत ने कहा कि एंटीजन टेस्ट के लिए चीन से जो किट आई थी, वो फर्जी निकली। सभी किट को वापस चाइना भेजना पड़ा। उन्होंने कहा कि नया एंटीजन टेस्ट भी काम का नहीं रहा।

किसानों के नाम पर राजनीति न करें पार्टियां

सरकार बातचीत करने को तैयार: कृषि मंत्री तोमर

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों के किसानों के जारी प्रदर्शन के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने एक बार फिर से किसानों को बातचीत का न्योता दिया है। इसके

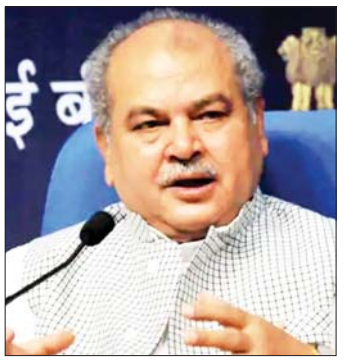

साथ ही, तोमर ने राजनीतिक दलों पर किसानों के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, सरकार किसान संघों के साथ बातचीत के लिए तैयार है, ताकि उनके मुद्दों को हल किया जा सके। हमने उन्हें 3 दिसंबर को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। मुझे उम्मीद है कि वे बैठक में आएंगे। तोमर ने आगे कहा कि मैं राजनीतिक दलों से किसानों के नाम पर राजनीति नहीं करने का आग्रह करता हूं। इससे पहले शुक्रवार को नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों से कहा था कि भारत सरकार उनसे चर्चा के लिए तैयार थी, तैयार है और तैयार रहेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मैं सभी किसानों से आग्रह करता हूं कि सर्दी के मौसम में और कोविड के संकट में आंदोलन स्थगित करें और चर्चा का रास्ता अपनाएं। भारत सरकार उनसे चर्चा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी 2 चरण अपने स्तर पर, सचिव स्तर पर किसानों से वार्ता हो चुकी है। 3 दिसंबर को बातचीत के लिए किसान यूनियन को हमने आमंत्रण भेजा है।

किसानों के हित में हैं कानून

तीनों कृषि कानूनों को लेकर सरकार का दावा है कि सभी किसानों के हित के लिए बनाए गए हैं। कृषि मंत्री तोमर ने कहा था कि हाल ही में आए कानूनों का लक्ष्य कुछ और है। यह किसानों के हित में हैं। ये क्रय-विक्रय, कॉन्ट्रैक्ट कृषि आदि से जुड़े हैं। एमएसपी उनके विस्तार से बाहर है। सरकार के मुताबिक यह बदलाव बड़े खरीददारों को लाएंगे, सुपरमार्केट और निर्यातकों को उनके द्वार तक लेकर आएंगे। हालांकि, किसान यूनियनों का कहना है कि नए कानूनों के तहत ऐसा हो सकता है कि सरकार गारंटीकृत मूल्यों पर अनाज खरीदना बंद कर दे, और उन्हें निजी खरीदारों की दया पर निर्भर रहना पड़े।

सिंघू बॉर्डर पर लगा सात किलोमीटर लंबा जाम

केंद्र द्वारा लागू तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली जाने पर अड़े हजारों किसान गत 24 घंटे से सिंघू बॉर्डर पर जमे हुए जिसकी वजह से करीब सात किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। वहीं, सीमा पर जमे किसान दोपहर में बैठक कर आगे की रणनीति तय करेंगे। हरियाणा व दिल्ली पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग कर किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोक रखा है। हालांकि,सरकार ने दिल्ली के बुराड़ी स्थित निरंकारी मैदान में प्रदर्शन की इजाजत दे दी है, लेकिन किसान वहां जाने को तैयार नहीं है और बॉर्डर पर जमे हुए है।

हाथियों के झुंड से भटक कर जबलपुर पहुंचे दो हाथियों में से एक की मौत

जबलपुर। उड़ीसा से छत्तीसगढ़ होते हुए मध्य प्रदेश के मंडला और फिर जबलपुर जिले की सीमा में घूम रहे दो हाथियों में से एक हाथी की दर्दनाक मौत हो गई, मृत हाथी का शव मोहास गांव से लगे जंगल में पाया गया। इधर मौत की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों को जैसे ही जानकारी मिली की पास के जंगल में एक मृत हाथी पड़ा हुआ है तो उन्होंने वन विभाग को इसकी सूचना दी, वहीं वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर जब जांच शुरू की तो पाया कि हाथी के दोनों दांत जमीन में गड़े हुए थे,और उसकी सूंड दबी थी। जानकारी के मुताबिक, बीते कुछ दिनों से बरगी से लगें इलाके में घूम रहे दोनो जंगली हाथी रहवासी इलाके में आ जाने के चलते बेचैन होकर यहां-वहां भटक रहे थे। जंगली हाथी की अचनाक हुई मौत से वन्य प्राणी प्रेमियों में खास आक्रोश है,वन्य प्राणी प्रेमीयो की मानें तो निश्चित रूप से हाथी की मौत के लिए वन विभाग दोषी है। क्योंकि विभाग को जब पता था कि ये जंगली हाथी है और रहवासी इलाका पसन्द नही करते बावजूद इसके वन विभाग ने हाथियों की देखरेख में लापरवाही बरती। मृत हाथी के शव के पोस्टमार्टम के बाद ही इस बात का खुलासा हो सकेगा कि आखिर कैसे जंगली हाथी की मौत हुई है।

सुप्रीमकोर्ट में केन्द्र बोला-कोरोना के बढ़ते केस के लिए दिल्ली सरकार जिम्मेदार

आप बोली-गलत तथ्य पेश किए

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना केस को लेकर रफिर सियासत गरमा गई। केंद्र सरकार ने सर्वोच्च अदालत में हलफनामा देकर कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराया। पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी ने इस हलफनामे को दुर्भावनापूर्ण और तथ्यों से बिल्कुल परे बताया। साथ ही, केंद्र पर निशाना भी साधा।

प्रभावी कदम नहीं उठाए- जस्टिस अशोक भूषण की पीठ के समक्ष दायर हलफनामे में केंद्र ने कहा की तमाम चेतावनियों के बावजूद दिल्ली सरकार ने महामारी की रोकथाम के प्रभावी कदम नहीं उठाए। राज्य सरकार ने डेंगू की रोकथाम समेत तमाम विज्ञापन दिए, लेकिन कोविड के बारे में एक विज्ञापन नहीं आया। 11 नवंबर को बैठक में भी दिल्ली सरकार की खामियां सामने आई। जानकारी होने के बावजूद उपाय नहीं किए- केंद्र सरकार ने हलफनामे में कहा, दिल्ली सरकार को मालूम था कि जाड़े की शुरुआत, त्योहारों के सीजन और प्रदूषण के कारण मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बावजूद रोकथाम के कोई कदम नहीं उठाए।

समिति की सिफारिश पर कार्रवाई नहीं- केंद्र के मुताबिक, उच्चाधिकार समिति ने दिल्ली सरकार को चेताया था। नीति आयोग की अध्यक्षता में बनी इस समिति ने राज्य सरकार से कहा था कि 15 हजार केस प्रतिदिन आने के लिए तैयार रहें। 6500 आईसीयू बेड तैयार

रखें लेकिन इस सिफारिश पर दिल्ली सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। बेड की संख्या 3500 तक सीमित रखी। इससे दिल्ली में स्वास्थ्य ढांचे पर अचानक दबाव बढ़ गया।

दोषारोपण से बाज आएं- दिल्ली सरकार ने केंद्र के इस हलफनामे को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण व तथ्यों से परे बताया, मगर खुलकर कुछ बोलने से बचते रहे। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने सीधा हमला बोला। पार्टी ने कहा, हमें उम्मीद है कि केंद्र सरकार दोषारोपण के खेल के बजाए दिल्लीवालों के लिए कुछ ठोस करेगी। महामारी के समय जब राज्यों के साथ सहयोग से काम करने की जरूरत है, सरकार गलत तथ्य पेश कर रही है। वह चाहे जो करें मगर दिल्ली सरकार सभी एजेंसियों के साथ मिलकर आगे काम करना जारी रखेगी।

केन्द्र का आरोप पहला आरोप-1- कई बार कहने के बावजूद आरटी पीसीआर जांच नहीं बढ़ाई। लंबे समय से सिर्फ 20 हजार तक आरटीपीसीआर जांच की जा रही है।

आप का जवाब

1-होम मिनिस्टर ने 72 घंटे में 750 आईसीयू बेड उपलब्ध कराने का वादा किया था, अब तक केवल 200 बेड ही सरकार से मिले

केन्द्र का दूसरा आरोप

2-तय उपायों जैसे घर-घर जाकर सर्वे, संपर्क ट्रेसिंग, पृथकवास और क्लीनिकल प्रबंधन उचित तरीके से नहीं किए गए

आप का जवाब

2- केन्द्र ने सभी राज्यों सरकारों को कोरोना से लड़ाई में आर्थिक सहायता दी पर आप सरकार को कुछ भी महुैया नहीं कराया

केन्द्र सरकार का तीसरा आरोप

3-जिन मरीजों को उनके घर पर इलाज चल रहा है, उन पर भी दिल्ली सरकार की एजेंसियों ने सही निगरानी नहीं रखी

आप का जवाब

3-केंद्र सरकार को ऐसी राजनीति नहीं करनी चाहिए और आगे बढ़कर दिल्ली सरकार का सहयोग करना चाहिए।

भड़काऊ भाषण देने पर अकबरुद्दीन ओवैसी और तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष बांदी संजय पर केस दर्ज

नई दिल्ली। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कारपोरेशन (जीएचएमसी) के चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण देने के मामले में हैदराबाद के एसआर नगर पुलिस स्टेशन में एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी और तेलंगाना बीजेपी के अध्यक्ष बांदी संजय के खिलाफ केस दर्ज किए गए है। एसआर नगर के पुलिस निरीक्षक के. सईदुलु ने कहा कि दोनों के खिलाफ आईपीसी की धारा 505 के तहत मामला दर्ज किए गए हैं। दरअसल, एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि क्या हुसैन सागर झील के तट पर बनीं पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और तेदेपा के संस्थापक एनटी रामाराव की समाधियां हटाई जाएंगी।

अब बुराड़ी से किसान भरेंगे हुंकार, आगे की रणनीति को लेकर बैठक

नई दिल्ली। अंतरराज्यीय सीमाओं से बैरिकेडिंग हटाए जाने के बाद पंजाब से किसानों के कई जत्थे दिल्ली में आ गए हैं। हालांकि इससे पहले दिन में राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने की जद्दोजहद में बड़ी संख्या में किसानों को कदम-कदम पर पुलिस के अवरोधकों, पानी की बौछारों और आंसू गैस के गोलों का सामना करना पड़ा था। अंतत- बड़ी संख्या में किसान दिल्ली के बुराड़ी मैदान में पहुंच गए हैं। वहीं पंजाब के किसान नेता शनिवार को बैठक कर आगे के कदमों के बारे में चर्चा करेंगे। हालांकि ये किसान नेता केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन के लिए बुराड़ी जाने के पक्ष में हैं। वहीं पंजाब के किसानों को उत्तर प्रदेश के किसानों का भी साथ मिल गया है। लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन ने अहिमामऊ-सुल्तानपुर रोड पर चक्का जाम की तैयारी की थी, लेकिन प्रशासनिक मुस्तैदी से यह संभव नहीं हो सका। किसानों ने शनिवार और रविवार को भी आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है। भारतीय किसान यूनियन (डकौंदा) के अध्यक्ष बूटा सिंह बर्जगिल ने कहा है कि कई किसान नेता अब भी दिल्ली के रास्ते में हैं। हम शनिवार को बैठक करेंगे और आगे के कदमों के बारे में फैसला लेंगे। वहीं क्रांतिकारी किसान यूनियन

के अध्यक्ष दर्शन पाल ने बताया कि वे बुराड़ी जाने के पक्ष में हैं क्योंकि उन्होंने दिल्ली चलो का आह्वान किया था। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रदर्शन का लक्ष्य दिल्ली पहुंचना और केंद्र सरकार पर इन तीन कृषि कानूनों को लेकर दबाव बनाना है। पाल ने कहा कि बुराड़ी के मैदान में पंजाब, हरियाणा और अन्य स्थानों से आए बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी भर सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों को मैदान में प्रदर्शन की अनुमति दे दी। सुबह 12 बजे से ही सोशल मीडिया पर कांग्रेस व भाजपा नेताओं के बीच किसान आंदोलन को लेकर एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने शुरू कर दिए थे। ट्विटर पर प्रियंका वाड्रा गांधी ने किसानों पर हुए एक्शन का विरोध किया तो भाजपा केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने राहुल गांधी को ट्वीट पर राजनीति की बजाए अपने संसदीय क्षेत्र पर ध्यान देने की सलाह दी। हरियाणा व पंजाब के मुख्यमत्रियों के भी बयान दिए। दोपहर में यूपी व किसान नेता राकेश टिकैत ने किसान अंदोलन पर जल्द अपना निर्णय लेने की बात कही। इसी बीच सिंघू बॉर्डर पर किसानों व पुलिस में जमकर भिड़ंत हो गई। कई घंटे उत्पात के बाद पुलिस आला अधिकारियों ने किसान नेताओं से बात की और दोनों पक्षों की बुराड़ी में शांतिपूर्ण तरीके से एकत्रित होने की बात पर एक राय बनी।

शुभेन्दु अधिकारी के इस्तीफे के बाद टीएमसी बोली- वह पार्टी नहीं छोड़ना चाहते हैं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सिफारिश के बाद राज्य मंत्रिमंडल से तृणमूल कांग्रेस के नेता शुभेन्दु अधिकारी का त्यागपत्र स्वीकार लिया है। धनखड़ ने ट्विटर पर कहा कि शुभेन्दु अधिकारी के पास जो चार विभाग थे अब उनका कार्यभार मुख्यमंत्री संभालेंगी। राज्यपाल ने ट्वीट किया, पश्चिम बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सिफारिश के मद्देनजर मंत्री शुभेन्दु अधिकारी का त्यागपत्र तत्काल प्रभाव के साथ स्वीकार लिया है। वहीं, इस्तीफे को लेकर तृणमूल सांसद सौगत राय ने कहा कि अधिकारी के साथ दो बैठकों के दौरान, उन्हें यह महसूस हुआ कि वह पार्टी नहीं छोड़ना चाहते हैं। हम उनकी नाराजगी को लेकर उनसे बात करेंगे। राय ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि पार्टी में बने रहेंगे, क्योंकि उन्होंने अपनी सदस्यता नहीं दी या विधायक के रूप में इस्तीफा नहीं दिया।

गौरतलब है कि शुभेन्दु अधिकारी हाल ही में

पार्टी नेतृत्व के साथ विवादों में रहे हैं। वे हाल ही की कैबिनेट बैठकों से भी नदारद थे। शुभेन्दु अधिकारी 2011 में ममता बनर्जी को सत्ता में लाने वाले नंदीग्राम आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार सुबह अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और ई-मेल से राज्यपाल जगदीप धनखड़ को अपना त्याग पत्र भेजा था। इस्तीफे के बाद अधिकारी ने ट्वीट कर कहा, मैं मंत्री के रूप में अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने कहा, मैंने प्रतिबद्धता, समर्पण और ईमानदारी के साथ राज्य के लोगों की सेवा की है। इस अवसर के लिए मैं धन्यवाद देता हूं।इसके साथ ही अधिकारी ने हल्दिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के अध्यक्ष के रूप में भी इस्तीफा दे दिया। यह एजेंसी पूर्वी मिदनापुर जिले के औद्योगिक शहर हल्दिया और उसके आस-पास के क्षेत्रों में विकास कार्यों की देखरेख करती है। बुधवार को, उन्होंने हुगली रिवर ब्रिज कमीशन (एचआरबीसी) के अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया था, जो कि कोलकाता के कई पुलों और फ्लाईओवर का संरक्षक है।

सरकार में एक साल पूरा होने पर बोले उद्धव ठाकरे

भाजपा ने मेरे परिवार पर हमला किया, मैं उनके स्तर तक नहीं जा सकता

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को महाराष्ट्र विकास आघाडी (एमवीए) सरकार के प्रमुख के रूप में अपना एक साल पूरा कर लिया। ठाकरे के लिए यह एक साल कुछ खास नहीं रहा। उन्हें पुराने राजनीतिक सहयोगी भाजपा के हमले झेलने पड़े, कोरोना महामारी के संकट को भी संभालना पड़ा। इतना ही नहीं केंद्र के साथ उनके संबंध भी खराब रहे। इसके अलावा महाराष्ट्र ने दूसरी कई परेशानियों का सामना भी किया। ठाकरे ने अपने एक साल पूरा करने के मौके पर शुक्रवार को कई मुद्दों पर पत्रकारों से बात की।

महाराष्ट्र सरकार गिर सकती है? महाराष्ट्र में भाजपा अक्सर भविष्यवाणी करते हुए ये कहती है कि ठाकरे की सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी और गिर जाएगी, जब ठाकरे से इस पर उनकी राय मांगी गई तो उनका कहना था कि उन्हें भविष्यवाणी करते रहने दें; वे व्यस्त हैं और खुश हैं। मैं उसे खराब नहीं करना चाह, जिस समय हम सरकार चला रहे हैं वह अलग है (महामारी के कारण)। दुनिया ने एक सदी के बाद ऐसी स्थिति का सामना किया है। इससे पहले जो भी सरकार चला रहा था उसे इस तरह की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा।

केंद्र और महाराष्ट्र के रिश्ते-केंद्र सरकार और महाराष्ट्र के रिश्ते को लेकर ठाकरे बताते हैं कि भले ही सरकार चलाने वाले लोगों की पार्टी या विचारधारा महत्वपूर्ण है, लेकिन केंद्र या राज्य में निष्पक्ष रूप से काम करना सरकार का कर्तव्य है। सितंबर से, केंद्र ने पीपीई किट और एन -95 मास्क जैसी चीजों की आपूर्ति रोक दी। इससे राज्य को गभग 250-300 करोड़ रुपये की मार झेलनी पड़ी। साथ ही, लगभग 38,000 करोड़ रुपये का जीएसटी और कर विचलन बकाया अभी भी केंद्र के पास पेंडिंग है। निसर्ग चक्रवात, बाढ़ और लगातार वर्षा जैसी प्राकृतिक

आपदाओं से निपटने में भी हमें कोई सहयोग नहीं मिला।

कोरोना वैक्सीन-वैक्सीन पर बात करते हुए ठाकरे कहते हैं कि हमें एक योजना की आवश्यकता है क्योंकि टीके बनाने वाली पांच कंपनियां हैं। इसे किस तापमान पर संग्रहीत किया जाना है? कितने खुराक की आवश्यकता है? अभी तक किसी बात पर स्पष्टता नहीं है।

महाराष्ट्र सरकार की उपलब्धियां-जब पत्रकारों ने उनकी सराकर की उपलब्धियों को लेकर उनसे सवाल किया था उनका कहना था, ÷हमने रायगढ़ जिले के विकास पर निर्णय के साथ शुरुआत की और इसके लिए फंड्स जुटाए। एक और बड़ा फैसला था 2 लाख करोड़ तक की कृषि ऋण माफी। हमने जो भी वादे किए, उन सभी को पूरा किया है। कृषि ऋण माफी एक बड़ा फैसला था। हम किसानों की आय को दोगुना और तिगुना करने की घोषणा नहीं करते हैं या कह दें कि अच्छे दिन आयेंगे।

भाजपा और मोदी के सामने खड़े हैं ठाकरे?-उनसे पूछा गया कि क्या आप भाजपा और मोदी के सामने खड़े हैं तो उन्होंने जवाब दिया कि नहीं, ऐसा कभी मेरा इरादा नहीं है। मैं लगन से काम करता हूं और जोश से मुद्दों पर बात करता हूं। मैं कभी भी व्यक्तिगत हमले नहीं करता या दुर्भावनापूर्ण इरादे से नहीं बोलता। जैसे उन्होंने मेरे परिवार पर प्रतिशोध के साथ हमला किया है ... जब हम उनके साथ थे तो हम उनके साथ अच्छे थे, हम उनके लिए प्रचार करते थे जिसके बिना उनके वोट बैंक को नहीं भरा जाता। अब देखिए कि जिस तरह से वे हमारे परिवार पर हमला कर रहे हैं ये उनकी राजनीति की विकृत प्रवृत्ति है। मैं उनके स्तर पर जाकर उन पर हमला नहीं कर सकता।

टीम इंडिया को चाहिए ऑलराउंडर

पंड्या बोले- मेरे भाई कुणाल को क्यों नहीं आजमाते ?

हार्दिक पंड्या ने बहु-प्रतिभा वाले अन्य खिलाड़ियों को तराशने का आग्रह किया. सिडनी में शुरुआती वनडे में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के दौरान पंड्या की गेंदबाजी की काफी कमी महसूस की गई.

दिल्ली। टीम इंडिया के ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पंड्या ने शुक्रवार को कहा कि वह तभी गेंदबाजी करेंगे, जब समय सही होगा. साथ ही उन्होंने टीम से बहु- प्रतिभा वाले अन्य खिलाड़ियों को तराशने का आग्रह किया, सिडनी में शुरुआती वनडे में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के दौरान उनकी गेंदबाजी की काफी कमी महसूस की गई. यह हरफनमौला खिलाड़ी पीठ की सर्जरी के बाद अभी तक गेंदबाजी का भार संभालने के लिए तैयार नहीं है, जिससे टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है और यह बात खुद कप्तान विराट कोहली ने स्वीकार की. पंड्या ने शुक्रवार को टीम को मिली 66 रनों की हार के दौरान 76 गेंदों में 90 रनों की पारी खेली.

उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं अपनी गेंदबाजी पर काम कर रहा हूं. मैं गेंदबाजी करूंगा, जब सही समय होगा.' ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 374 रन बनाए. पंड्या ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि जब वह मैच की परिस्थितियों में गेंदबाजी करना शुरू करें तो वह बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जरूरी रफ्तार हासिल कर पाएं. पंड्या ने कहा, 'जब आप 375 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हो तो हर किसी को जज्बे के साथ खेलना चाहिए. इसके अलावा कोई कुछ नहीं कर सकता. आप ज्यादा योजना नहीं बना सकते.' उन्होंने कहा कि भारत को हरफनमौला विकल्पों के बारे में विचार करना चाहिए क्योंकि छठा गेंदबाजी विकल्प वनडे टीम के संतुलन के लिए जरूरी है. उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद हमें किसी को ढूंढना होगा जो भारत के लिए खेल चुका हो और उन्हें तराशना चाहिए और उन्हें खिलाने का तरीका ढूंढना होगा.' पंड्या ने कहा, 'जब आप पांच गेंदबाजों के साथ उतरते हो तो यह हमेशा मुश्किल होगा क्योंकि अगर किसी का दिन अच्छा नहीं होगा तो उसकी भूमिका को भरने के लिए आपके पास कोई नहीं होगा.' उन्होंने कहा, 'चोट से ज्यादा यह छठे गेंदबाजी की भूमिका के बारे में है. अगर किसी का दिन अच्छा नहीं है तो इससे अन्य गेंदबाजों को मदद मिलेगी.' उपलब्ध विकल्पों के बारे में पूछने पर उन्होंने चयनकर्ताओं से अपने बड़े भाई क्रुणाल को देखने का आग्रह किया, जो स्पिन ऑलराउंडर हैं. उन्होंने कहा, 'आप अन्य के नाम ले सकते हैं. या फिर हमें पंड्या परिवार में ही देखना चाहिए.' हार्दिक पंड्या ने नेट पर गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा, 'मैं अपनी गेंदबाजी में 100 प्रतिशत होना चाहता हूं. मैं उस रफ्तार से गेंदबाजी करना चाहता हूं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए जरूरी हो.' आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के लिए 10 महीने बचे हैं और पंड्या ने संकेत दिया कि वह लंबे लक्ष्य और बड़े टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए गेंदबाजी शुरू करना चाहते हैं. उन्होंने कहा, 'हम आगे के बारे में सोच रहे हैं. हम टी20 विश्व कप और अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के बारे में सोच रहे हैं, जहां मेरी गेंदबाजी ज्यादा अहम होगी.'

ऑस्ट्रेलिया का स्टार ऑलराउंडर चोटिल दूसरे वनडे में उतर सकता है ये खिलाड़ी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस का भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में खेलना संदिग्ध है, खबरों के अनुसार शुक्रवार को सिडनी में सीरीज के शुरुआती मैच के दौरान वह चोटिल हो गए हैं. स्टोइनिस अपने 7वें ओवर की दूसरी गेंद फेंकने के बाद दर्द से कराहने लगे. वह तुरंत मैदान से चले गए और ग्लेन मैक्सवेल ने ओवर पूरा किया. क्रिकेट डॉट काम डॉट एयू के अनुसार 31 साल के खिलाड़ी को पेट की बाईं ओर दर्द हुआ और चोट की गंभीरता जानने के लिए स्कैन कराए जाएंगे, स्टोइनिस की चोट से हरफनमौला कैमरन ग्रीन और मोइसेस हेनरिक्स रविवार को एससीजी में होने वाले दूसरे वनडे के लिए दौड़ में हो शामिल हो सकते हैं. पहले वनडे में चौथे नंबर पर उतरे स्टोइनस बल्ले से कुछ नहीं कर पाए थे. उन्हें शून्य पर लौटना पड़ा था. स्टीव स्मिथ ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि स्टोइनिस कैसे हैं. मैंने उन्हें नहीं देखा है, लेकिन उम्मीद करता हूं कि वह ठीक हो जाएंगे. लेकिन अगर वह ठीक नहीं होते हैं, तो किसी को उनकी जगह आना होगा और ऐसा कोई जो गेंदबाज हो... शायद कैमरन (ग्रीन),' ग्रीन शेफील्ड शील्ड के दौरान बल्ले और गेंद दोनों में अच्छे फॉर्म में हैं.

अगले हफ्ते आएगा बर्गर किंग का आईपीओ

नई दिल्ली। क्विक सर्विस रेस्टोरेंट चेन चलाने वाली कंपनी बर्गर किंग का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 2 दिसंबर को आ रहा है. यह कम रकम में निवेश का अच्छा मौका है, क्योंकि इसके शेयरों का प्राइस बैंड बहुत कम है. प्राइवेट इक्विटी फर्म एवरस्टोर ग्रुप की कंपनी बर्गर किंग ने शुक्रवार को अपने प्राइस बैंड फिक्स कर दिया है. बर्गर किंग के प्राइस बैंड 59-60 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है. इसमें कम से कम 250 शेयरों के लॉट में निवेश किया जा सकेगा. यानी एक लॉट के लिए निवेशकों को करीब 15 हजार रुपये निवेश करने होंगे. आईपीओ में निवेश 4 दिसंबर को बंद होगा. कंपनी इस आईपीओ के द्वारा 810 करोड़ रुपये की रकम जुटाना चाहती है. शेयरों का आवंटन 9 दिसंबर को होगा और कंपनी 14 दिसंबर को सूचीबद्ध होगी. इस बिक्री के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी, सीएलएसए इंडिया, एडेलवाइज फाइनेंशियल सर्विसेज और जेएम फाइनेंशियल लीड मैनेजर हैं. इसमें 450 करोड़ रुपए का फ्रेश इश्यू और प्रमोटर की कंपनी प्राइवेट लिमिटेड 6 करोड़ शेयर बेचेगी.

नीति आयोग का मंदी से इनकार, वीसी बोले- लौट रही इकोनॉमी की रफ्तार

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी कर दिए गए हैं. इन आंकड़ों में जून की तिमाही के मुकाबले रिकवरी जरूर मिली है लेकिन तकनीकी तौर पर इसे मंदी भी माना जा रहा है. हालांकि, सरकार का थिंक टैंक नीति आयोग इसे मंदी नहीं मानता.

तकनीकी मंदी का कोई मतलब नहीं-इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह तकनीकी मंदी नहीं है. यह सामान्य परिस्थितियां नहीं हैं. ऐसे में तकनीकी मंदी के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है. राजीव कुमार ने कहा कि हम संकट के दौर से बाहर आ रहे हैं. दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ अनुमान निगेटिव में 10 फीसदी तक था, जो 7.5 फीसदी रह गया है. उपभोक्ता मांग में भी ग्रोथ है, जो बहुत अच्छा संकेत है.

क्यों कही जा रही मंदी?-दरअसल, वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी यानी सितंबर तिमाही में जीडीपी ग्रोथ निगेटिव में 7.5 फीसदी रही है. वित्त वर्ष की पहली यानी जून की तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था में करीब 24 फीसदी की भारी गिरावट आ चुकी है. लगातार दो तिमाही में निगेटिव ग्रोथ को तकनीकी तौर पर मंदी माना जाता है.

जनवरी-मार्च तिमाही में ग्रोथ की उम्मीद-वहीं, कोर सेक्टर के उत्पादन में लगातार आठवें महीने गिरावट पर राजीव कुमार ने कहा कि लंबे समय तक संकुचन नहीं होगा. कोर सेक्टर में भी उर्वरक और बिजली पॉजिटिव ग्रोथ दिखा रहे हैं. बता दें कि कोर सेक्टर का उत्पादन इस बार अक्टूबर महीने में एक साल पहले की तुलना में 2.5 प्रतिशत घट गया. यह लगातार आठवां महीना है, जब इन क्षेत्रों का उत्पादन कम हुआ हो.

नए साल में उम्मीद-खपत में गिरावट पर राजीव कुमार ने कहा कि त्योहारों के कारण अक्टूबर एक बेहतर महीना था. मुझे यकीन है कि जनवरी-मार्च तिमाही में पॉजिटिव ग्रोथ देखने को मिलेगी. आप पैसे ट्रांसफर करके खपत नहीं बढ़ा सकते. सरकार इस मुद्दे को उचित तरीके से हैंडल कर रही है. कोरोना काल में भी चीन के पॉजिटिव ग्रोथ को लेकर नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा कि हमने जीवन और आजीविका के बीच सही संतुलन कायम किया है. चीन एक रहस्य है. बता दें कि चीन ने दूसरी तिमाही में 4.9 फीसदी ग्रोथ दर्ज की है, जो दुनिया का एकमात्र देश है.

पीडीआई में 15 फीसदी का इजाफा

आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बिल्डरों से कहा कि वे न बिक पाए घरों को दबाकर न बैठें, बल्कि इन्हें जल्दी से बेचने का प्रयास करें. उन्होंने कहा कि वह आवास बिक्री को बढ़ावा देने के मद्देनजर एक बार फिर से संपत्ति के रजिस्ट्रेशन पर स्टांप ड्यूटी कम करने के लिये राज्य सरकारों को पत्र लिखेंगे.सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल, दोनों ईंधनों के दाम में एक बार फिर बढ़ोतरी की है. पेट्रोल 24 पैसे तो डीजल 27 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है. शनिवार को दिल्ली में पेट्रोल 82.13 रुपये पर तो डीजल 72.13 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा था.

कोहली बोले- हमारे पास ज्यादा ऑलराउंडर नहीं

पंड्या से बॉलिंग नहीं करवा सकते

सिडनी। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में मिली हार के बाद अपनी टीम के हाव-भाव पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि हार्दिक पंड्या का गेंदबाजी के लिए फिट नहीं होने से टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है क्योंकि उनके पास ज्यादा ऑलराउंडर मौजूद नहीं हैं. भारत की ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत निराशाजनक हुई, उसे पहले वनडे में 66 रनों से हार का सामना करना पड़ा. कोहली ने मैच के बाद कहा, 'हर किसी को पूरे 50 ओवरों में अपना जज्बा दिखाने की जरूरत होती है. शायद हम लंबे समय बाद 50 ओवरों के क्रिकेट में खेले, जिसका असर मैदान में खड़े खिलाड़ियों पर पड़ सकता है. लेकिन हमने इतना वनडे क्रिकेट खेला है कि हम इससे निपटना जानते हैं.'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैदान पर 25 ओवरों के बाद खिलाड़ियों के हाव-भाव अच्छे नहीं थे. यह निराशाजनक चीज है. अगर आप शीर्ष स्तर की प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ मौकों का फायदा नहीं उठाओगे तो वे आपको नुकसान पहुंचा देंगे और आज ऐसा ही हुआ.' हार्दिक पंड्या गेंदबाजी के लिए अभी फिट नहीं हैं, तो कोहली ने कहा कि इससे टीम के संतुलन पर असर पड़ रहा है. उन्होंने कहा, 'हमें कामचलाऊ गेंदबाजों से कुछ ओवर करवाने के लिए एक तरीका ढूंढना होगा. दुर्भाग्य से हार्दिक जैसा खिलाड़ी अभी गेंदबाजी के लिए तैयार नहीं है, हमें यह स्वीकार करना होगा, हमारे पास इस समय कोई अन्य ऑलराउंड विकल्प मौजूद नहीं है.'

उन्होंने कहा, 'इस चीज पर ध्यान देने की जरूरत है, यह किसी भी टीम के संतुलन का अहम हिस्सा है. मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया के लिए कुछ ओवर डाल रहे हैं, जिससे उन्हें मदद मिली.' कोहली ने कहा कि उनके गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट नहीं चटका सके, जिससे ऑस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर बनाने में मदद मिली. उन्होंने कहा, 'मैच जीतने में विकेट चटकाना सबसे अहम है, और हम यही नहीं कर सके, साथ ही मैदान पर कुछ गलतियों से भी हमने शुरू में जो दबाव बनाया था, उसका फायदा नहीं उठा सके.' यह पूछने पर कि क्या संयुक्त अरब अमीरात से ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर पृथकवास में रहने से टीम का प्रदर्शन प्रभावित हुआ तो उन्होंने कहा कि यह कोई बहाना नहीं है. उन्होंने कहा, 'तैयारी के लिए काफी समय मिला. इसके लिये कोई बहाना नहीं बनाया जा सकता.'

एलपीजी सब्सिडी पर सरकार का एक बयान 7 करोड़ ग्राहकों को मिली राहत

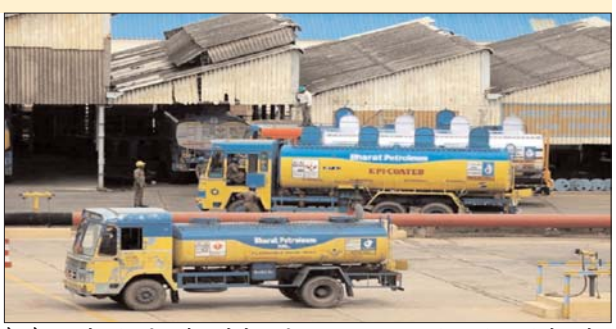

भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) में सरकार अपनी हिस्सेदारी बेचने वाली है. ऐसे में बीपीसीएल एलपीजी गैस का इस्तेमाल कर रहे 7 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के मन में सब्सिडी को लेकर सवाल चल रहे थे. इस सवाल को लेकर केंद्र सरकार की ओर से स्पष्टीकरण जारी किया गया है.पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि बीपीसीएल के निजीकरण के बाद भी उसके उपभोक्ताओं को रसोई गैस सब्सिडी मिलती रहेगी. धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, ''एलपीजी पर सब्सिडी सीधे उपभोक्ताओं को दी जाती है और किसी कंपनी को नहीं. इसलिए एलपीजी बेचने वाली कंपनी के स्वामित्व का सब्सिडी पर कोई असर नहीं होगा.'' आपको बता दें कि सरकार प्रत्येक कनेक्शन पर हर वर्ष अधिकतम 12 रसोई गैस सिलेंडर(14.2 किलो गैस वाले) सब्सिडी वाली दर पर देती है. यह सब्सिडी सीधे उपभोक्ताओं के बैंक खातों में दी जाती है.

इन्हें भी मिलती है सब्सिडी-उपभोक्ता डीलर से बाजार मूल्य पर एलपीजी खरीदते हैं और बाद में सब्सिडी उनके खाते में आती है. सरकार तेल विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), बीपीसीएल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के उपभोक्ताओं को सब्सिडी देती है.

सरकार बेच रही पूरी हिस्सेदारी-वहीं, सरकार बीपीसीएल में प्रबंधन नियंत्रण के साथ अपनी पूरी 53 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही है. कंपनी के नए मालिक को भारत की तेल शोधन क्षमता का 15.33 प्रतिशत और ईंधन बाजार का 22 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा. देश के कुल 28.5 करोड़ एलपीजी उपभोक्ताओं में 7.3 करोड़ उपभोक्ता बीपीसीएल के हैं.

ग्राहकों का क्या होगा-यह पूछे जाने पर कि क्या बीपीसीएल के उपभोक्ता कुछ वर्षों के बाद आईओसी और एचपीसीएल में स्थानांतरित हो जाएंगे, उन्होंने कहा कि अभी ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है. उन्होंने कहा, ''जब हम सीधे उपभोक्ताओं को सब्सिडी का भुगतान करते हैं, तो स्वामित्व उसके रास्ते में नहीं आता. ''

इकोनॉमी पर मंदी का ग्रहण! ये आंकड़े बढ़ा रहे सरकार की टेंशन

नई दिल्ली। सितंबर तिमाही में जीडीपी के आंकड़े बता रहे हैं कि भारतीय इकोनॉमी आधिकारिक तौर पर मंदी की चपेट में आ चुकी है. हालांकि, जून की तिमाही के मुकाबले रिकवरी देखने को जरूर मिली है लेकिन इसके बावजूद सरकार के लिए चुनौती बरकरार है.

क्या हैं जीडीपी के ताजा आंकड़े-ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी यानी सितंबर तिमाही में जीडीपी ग्रोथ निगेटिव में 7.5 फीसदी रही है. वित्त वर्ष की पहली यानी जून की तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था में करीब 24 फीसदी की भारी गिरावट आ चुकी है. लगातार दो तिमाही में निगेटिव ग्रोथ को तकनीकी तौर पर मंदी माना जाता है. कहने का मतलब ये है कि सरकार ने आधिकारिक तौर पर मंदी को स्वीकार कर लिया है. आपको बता दें कि वित्त वर्ष 2020-21 की सितंबर तिमाही में भारतीय इकोनॉमी अनलॉक के चरण से गुजर रही थी. मतलब ये कि सख्त लॉकडाउन के बाद इकोनॉमी को धीरे-धीरे खोला जा रहा था.

चीन पॉजिटिव, यूके-यूएस निगेटिव-भारत के अलावा ब्रिटेन, जापान, अमेरिका, इटली, फ्रांस, जर्मनी की इकोनॉमी भी दूसरी तिमाही में निगेटिव जोन में है. लेकिन ब्रिटेन के बाद भारत की जीडीपी अब भी सबसे बुरे दौर में है. हालांकि, चीन की इकोनॉमी दूसरी तिमाही में 4.9 प्रतिशत रही. वहीं अप्रैल-जून तिमाही में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी.

कोर सेक्टर का क्या है हाल-इसी तरह, कोर सेक्टर के आंकड़े बता रहे हैं कि अब भी हालात ठीक नहीं हैं. कोयला, कच्चा तेल, उर्वरक, स्टील, पेट्रो रिफाइनिंग, बिजली और नेचुरल गैस उद्योगों को किसी अर्थव्यवस्था की बुनियाद माना जाता है. यही आठ क्षेत्र कारोबार की भाषा में कोर सेक्टर कहे जाते हैं. ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि कोर सेक्टर का उत्पादन इस बार अक्टूबर महीने में एक साल पहले की तुलना में 2.5 प्रतिशत घट गया. यह लगातार आठवां महीना है, जब इन क्षेत्रों का उत्पादन कम हुआ हो.

हमारी सेवायें ऐसी हों, जिससे लोग स्वतः ही

बिजली बिल जमा करने आगे आएँः ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ऊर्जा मंत्री एवं विभाग के प्रमुख सचिव ने की ग्वालियर-चंबल संभाग की विद्युत व्यवस्था की समीक्षा

ग्वालियर। हमारा विद्युत वितरण सिस्टम इतना मजबूत हो, जिससे कम से कम फॉल्ट हों। लोगों को निर्बाध रूप से बिजली मिले और उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान हो जाए। हमारी सेवायें बेहतर होंगीं तो विद्युत वितरण कंपनी की छवि तो अच्छी बनेगी ही, साथ ही राजस्व में भी बढ़ोत्तरी होगी। यह बात प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर एवं चंबल संभाग की विद्युत व्यवस्था की समीक्षा बैठक में कही। बैठक में मौजूद विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को भरोसा दिलाया कि जरूरी संसाधनों के लिये धन की कमी नहीं आने दी जायेगी।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने विभाग के प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे के साथ यहाँ रोशनी घर के सभागार में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के दोनों संभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सीएमडी श्री विशेष गढ़पाले भी मौजूद थे। साथ ही विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक एवं उप महाप्रबंधक सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के अन्य विद्युत अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि हम बेहतर सेवायें देंगे तो निश्चय ही उपभोक्ता स्वतः ही बिजली बिल जमा करने के लिये आगे आयेंगे। उन्होंने कहा लोगों की विद्युत संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के साथ-साथ उनसे टेलीफोन से संपर्क कर बिजली बिल जमा करने का आग्रह भी करें, जिससे विद्युत राजस्व

में बढ़ोत्तरी हो और सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने विद्युत वितरण कंपनियों के अधिकारियों से कहा कि इस दिशा में ग्वालियर-चंबल संभाग से ऐसी पहल हो जो पूरे प्रदेश के लिये उदाहरण बने। हर समय मेंटीनेंस का पर्याप्त सामान उपलब्ध रहने पर ऊर्जा मंत्री ने विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा पहले से ही मेंटीनेंस के सामान की व्यवस्था करके रखें और स्किल्ड लाइनमैन रखे जाएँ, जिससे विद्युत फॉल्ट का सुधार तेजी से और बेहतर ढंग से हो सके। उन्होंने विद्युत लाइनों के नीचे से खराब हो रहे खम्बे चरणबद्ध ढंग से बदलने के निर्देश दिए। श्री तोमर ने शहर के मध्य से होकर गुजरी हाईटेंशन लाईन से होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी घटनायें न हों, इसके लिये पुख्ता कदम उठाए जाएँ। ऊर्जा मंत्री ने इसके लिये फूलबाग क्षेत्र में 33 केव्ही का एक विद्युत उपकेन्द्र स्थापित करने का सुझाव दिया। ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे ने विद्युत राजस्व में बढ़ोत्तरी के लिये बकाया बिलों की वसूली पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विद्युत चोरी रोकने के साथ-साथ बिजली बिल वसूली के लिये विशेष मुहिम चलाएँ। वसूली की कार्रवाई पहले सक्षम लोगों से की जाए। जिससे समाज में अच्छा संदेश पहुँचे और लोग स्वतः-ही बिजली बिल जमा करने के लिये प्रेरित हों। उन्होंने भिण्ड, मुरैना व दतिया जिले में कृषि क्षेत्र के कम विद्युत कनेक्शन और एचटी कनेक्शन कम पाए जाने पर कहा कि सभी पात्र उपभोक्ताओं को यह कनेक्शन दिए जाएँ। श्री दुबे ने अवैध कॉलोनियों के विद्युतीकरण, विद्युत हानि, खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने की कार्रवाई सहित विद्युत आपूर्ति से संबंधित अन्य बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की और विद्युत व्यवस्थाओं में सुधार के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जन उत्थान न्यास ने 16 परिवारों को दी आर्थिक सहायता कन्यादान ही महादान :डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से 16 गरीब परिवारों को कन्या विवाह के लिए आर्थिक सहायता न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज न्यास कार्यालय ललितपुर कॉलोनी में प्रदान की। विधायक एवं जन उत्थान न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज ललितपुर कॉलोनी कार्यालय में अन्सार खान निवासी नहर वाली माता नाकाचन्द्रवदनी, सुरेष कुषवाह निवासी षिवाजी नगर आमखो, रामसेवक मौर्य निवासी भीमनगर मुरार, नाथूराम पत्तापुरिया निवासी गौतम नगर गली नं.2 टाल रोड मुरार, भगवान सिंह बिजौल निवासी गली नं.1 नाकाचन्द्रवदनी, संतोश षर्मा निवासी सी.पी. कॉलोनी मुरार, राकेष श्रीवास निवासी नाकाचन्द्रवदनी तिराहा, किषन लाल सविता निवासी दाने वाले बाबा मंदिर के पास जडेरूआ रोड पिन्टू पार्क मुरार, जगदीष सिंह निवासी तिकोनिया मुरार, वीरेन्द्र गोस्वामी निवासी गली नं.1 गड्ढा वाला मौहल्ला नाकाचन्द्रवदनी, रामरतन बड़ेनिया निवासी सिद्धेष्वर नगर गली नं.3 नदी पार टाल मुरार, श्रीमती फूलवती निवासी हुरावली बी-ब्लॉक मुरार, वीरेन्द्र सिंह परमार निवासी सत्यम ग्रीन हाइवे के पास सिरौल मुरार, सखवत पठान निवासी अवाड़पुरा पिछोरियों की पहाडिया कम्पू, प्रकाष सोनी निवासी नई बस्ती सिरौल मुरार, हरी राजौरिया निवासी सत्यनारायण का मौहल्ला घासमण्डी किलागेट को पुत्रियों के विवाह के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की। इस मौके पर डॉ. सिकरवार ने कहा कि कन्यादान ही महादान है, जन उत्थान न्यास गरीबों की सेवा के लिए सदैव तत्परता से सहयोग करने वाली संस्था है। उन्होने कहा कि मैं हर परिवार के साथ हमेषा साथ खड़ा हूँ और हमेषा साथ रहूँगा। इस अवसर पर डॉ. सिकरवार के साथ न्यास के कोशाध्यक्ष अवध सिंह धाकरे, संयुक्त सचिव अवधेष कौरव आदि मौजूद रहे। जोतिराव गोविंदराव फुले की पुण्यतिथि पर पुश्प अर्पित किये:- कॉग्रेस विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज ललितपुर कॉलोनी कार्यालय में महात्मा जोतिराव गोविंदराव फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके छाया चित्र पर माल्यार्पण कर पुश्प अर्पित किये। डॉ. सिकरवार ने कहा कि महात्मा जोतिराव गोविंदराव फुले जी एक भारतीय समाज सुधारक, समाज प्रबोधक, विचारक, समाजसेवी, लेखक, दार्षनिक तथा क्रान्तिकारी थे। डॉ. सिकरवार ने कहा कि महात्मा जोतिराव गोविंदराव फुले जी ने महिलाओं व दलितों के उत्थान के लिये अनेक कार्य किए। समाज के सभी वर्गों को षिक्षा प्रदान करने के ये प्रबल समर्थक थे। वे भारतीय समाज में प्रचलित जाति पर आधारित विभाजन और भेदभाव के विरूद्ध थे। इस अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार, सुधीर मण्डेलिया, इंदरगंज ब्लॉक अध्यक्ष राकेष गुर्जर, जसवंत षेजवार, प्रमोद जैन, महेष कुषवाह, दिनेष पाराषर, अभय कुमार सिंह, अंकित कठठ्ल आदि मौजूद रहे।

केन्द्रीय जेल स्थित हथकरघा केंद्र में अनुशासन और क्रियाशीलता देख कर मैं निःशब्द हूँः श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया

ग्वालियर। जेल के अंदर ऐसा अनुशासन क्रियाशीलता देखकर मैं निःशब्द हूँ। उक्त वक्तव्य युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने सागर के केन्द्रीय जेल पहुँच कर वहाँ कैदियों द्वारा संचालित किए जा रहे विद्यासागर हथकरघा केंद्र के निरीक्षण के दौरान दिये। उन्होंने कहा कि जेल में कैदियों द्वारा संचालित किया जा रहा कार्य अन्य जेलों के लिए भी अनुकरणीय है। निरीक्षण के दौरान श्रीमती सिंधिया ने वहाँ उपस्थित हथकरघा से वस्त्र बनाने वाले कैदियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक मनुष्य में कुछ अच्छाइयाँ और कुछ कमियां होती हैं। कई बार उन कमियों के कारण मनुष्य गलती कर बैठता है। परंतु, प्रत्येक व्यक्ति को सुधार का मौक़ा मिलना चाहिए। मौक़ा मिलने पर व्यक्ति स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन लाकर न केवल खुद के लिए बल्कि समाज के लिए भी अच्छा कार्य कर सकता है।मंत्री श्रीमती सिंधिया ने निरीक्षण के दौरान हथकरघा केंद्र की प्रणेता सुश्री रेखा जैन से हथकरघा के बारे में बारीकी से जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि सागर केन्द्रीय जेल परिसर में स्थापित हथकरघा केंद्र में प्रशिक्षित कैदियों द्वारा हैंडलूम मशीन पर विभिन्न प्रकार के वस्त्रों का निर्माण किया जाता है। इन वस्त्रों की बिक्री के लिए सद्भावना विक्रय केंद्र बनाया गया है। सुश्री जैन ने बताया कि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन के फलस्वरूप किए जा रहे हथकरघा कार्य को और आगे बढ़ाएंगे।

रेरा में पहली लोक अदालत 12 दिसम्बर को

लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन के लिये तीन खण्डपीठ की स्थापना

ग्वालियर। म.प्र. भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) में पहली लोक अदालत 12 दिसम्बर 2020 को प्रातः 11 बजे से रेरा भवन में आयोजित की जा रही है। प्रभारी रेरा अध्यक्ष तथा सदस्य न्यायिक श्री दिनेश कुमार नायक ने बताया कि रेरा की प्रस्तावित लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन के लिये तीन खण्डपीठ की स्थापना की गई है। लोक अदालत के आयोजन से पूर्व अनावेदकों के अधिवक्ताओं तथा सी.ए. से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से चर्चा भी की जायेगी। सचिव/मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री दिलीप कुमार कापसे को लोक अदालत के आयोजन का को-ऑर्डीनेटर बनाने के साथ ही अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के अनुसार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देश पर यह लोक अदालत लगायी जा रही है।

खण्डपीठ की स्थापना तथा प्रभारी की नियुक्तिरेरा प्राधिकरण में आयोजित -लोक अदालत में प्रकरणों के निपटारे के लिये गठित खण्डपीठ क्रंमाक-1 के अध्यक्ष तकनीकी सदस्य श्री अनिरूद्ध डी.कपाले को बनाया गया है। विधिक सलाहकार श्री आर.के. जोशी सदस्य होंगे। खण्डपीठ क्रंमाक-2 के अध्यक्ष न्यायनिर्णायक अधिकारी श्री व्ही.के.दुबे तथा अधिवक्ता सुश्री जूही रघुवंशी सदस्य होंगी। इसी प्रकार खण्डपीठ क्रंमाक-3 के निष्पादन अधिकारी श्री डी.एन.शुक्ला तथा सदस्य श्री जे.एम. चतुर्वेदी को बनाया गया है। वसूली अधिकारी श्री सूर्यकांत शर्मा के साथ सहयोगी कर्मचारी भी रहेंगे।

सुनवाई के लिये कक्ष स्थापित- खण्डपीठ क्रमांक-1 प्राधिकरण के प्रथम मंजिल सुनवाई कक्ष में स्थापित की जायेगी। खण्डपीठ क्रमांक-2 न्यायनिर्णायक अधिकारी के न्यायालीन कक्ष में तथा खण्डपीठ क्रमांक-3 प्राधिकरण की प्रथम मंजिल पर मीटिंग हॉल में स्थापित की जायेगी।

सी.ए. तथा अधिवक्ताओं से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सीधी चर्चा-लोक अदालत के आयोजन से पूर्व 4 दिसम्बर 2020 को दोपहर 3 बजे सभी सी.ए. तथा 5 दिसम्बर को सभी अधिवक्तागण के साथ दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सीधे चर्चा की जायेगी। लोक अदालत के आयोजन की सूचना अनावेदकगण के अधिवक्तागण एवं सी.ए. को रेरा की आई.टी.शाखा द्वारा उनके ई-मेल के पते पर भेजी जायेगी।

जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की बैठक सम्पन्न

ग्वालियर। जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की बैठक आज समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा भुजवल सिंह यादव की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में उपाध्यक्ष श्री शांतिशरण गौतम, सदस्य श्री सरदार सिंह परिहार, श्री गिर्राज धाकड़, श्री शत्रुघ्न सिंह यादव, श्रीमती रानी कुशवाह, प्रधान जनपद पंचायत भितरवार श्रीमती अनीता मोती सिंह रावत, विधायक प्रतिनिधि श्री सुरेन्द्र सिंह गुर्जर सहित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा द्वारा गत बैठक का कार्यवाही विवरण सदन में रखा गया। जिसका सर्व सम्मति से अनुमोदन किया गया। बैठक में ग्राम पंचायत मोहना के मजरा टीकुला में नल-जल योजना अंतर्गत पीएचई विभाग द्वारा बोरिंग कराई गई, जिसमें पानी की मात्रा नगण्य होने के उपरांत भी मूल्यांकन राशि का भुगतान किया गया। चर्चा उपरांत संबंधित दोषियों के विरूद्ध राशि वसूली का प्रकरण तैयार करने का निर्णय लिया गया। मोहना में पंचायत भवन से रेल्वे स्टेशन तक सीसी रोड़ का निर्माण किया गया है, जिसकी निर्माण सामग्री का प्रयोगशाला में परीक्षण कराए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत, खनिज, शिक्षा एवं कृषि विभाग आदि की समीक्षा की गई।

मेडीकल सुविधाओं को विकसित करने के साथ-साथ जन जागृति का भी अभियान चलाया जाए

प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे ने कोरोना संक्रमण के संबंध में की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की

ग्वालियर। कोविड-19 संक्रमण के बढ़ने की संभावनाओं को देखते हुए मेडीकल सुविधाओं को और बेहतर किया जाए। इसके साथ ही आम जनों को कोविड के संक्रमण से बचने के लिये सावधान रहने का जन जागृति का विशेष अभियान भी चलाया जाए। रोको-टोको, मास्क ही वैक्सीन है जैसे अभियान के साथ-साथ खुली जेल और ÷भाप है तो आप हैं÷ जैसे अभियान भी चलाए जाना चाहिए। प्रमुख सचिव ऊर्जा विभाग एवं ग्वालियर जिले के लिये कोरोना हेतु तैनात विशेष अधिकारी श्री संजय दुबे ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कोरोना के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक में यह बात कही। ग्वालियर जिले में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये किए जा रहे प्रयासो की समीक्षा बैठक में आगामी दिनों में संक्रमण की रोकथाम के लिये क्या-क्या प्रभावी कदम उठाए जाना है, इसकी समीक्षा की गई। बैठक में संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह, एडीएम श्री किशोर कान्याल, अपर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी, अधीक्षक जयारोग्य चिकित्सालय डॉ. आर एस धाकड़, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. डी के गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे ने कोरोना संक्रमण के लिये किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा के दौरान कहा कि मेडीकल सुविधाओं को और बेहतर करने के साथ-साथ फीवर क्लीनिकों को व्यवस्थित किया जाए, ताकि किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी हो तो

तत्काल उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाकर उपचार किया जा सके। कोविड-19 के लिये ग्वालियर में स्थापित किए गए कंट्रोल कमाण्ड सेंटर का और बेहतर उपयोग किया जाए। होम क्वारंटाइन हर व्यक्ति की नियमित मॉनीटरिंग हो और आवश्यक समझें तो उसे संस्थागत क्वारंटाइन भी कराया जाए। प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे ने कहा कि सम्पूर्ण जिले में जन जागृति के लिये विशेष प्रयास किए जाएँ। बिना मास्क पहने शहर में घूम रहे लोगों पर जुर्माने की कार्रवाई भी हो। इसके साथ ही बिना मास्क पहनने वाले व्यक्तियों को कुछ समय के लिये खुली जेल में रखने की व्यवस्था भी की जाए, इससे भी माहौल बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रयोग के तौर पर ÷भाप है तो आप हैं÷ का भी अभियान चलाया जाए। अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया जाए कि कोरोना संक्रमण से बचने के लिये नियमित रूप से भाप लें। संक्रमित व्यक्ति को ही भाप (स्टीम) से लाभ नहीं होता बल्कि सामान्य व्यक्ति को भी भाप (स्टीम) लेने से लाभ होता है, यह भी बताया जाए। प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे ने संक्रमण बढ़ने की संभावनाओं को देखते हुए मेडीकल सुविधाओं को और विकसित करने के साथ-साथ उपकरणों के व्यवस्थित संचालन हेतु चिकित्सकीय स्टाफ को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने बैठक में बताया कि संभाग के सभी जिला कलेक्टरों को कोविड-19 के संबंध में कहा गया है कि वे अपने-अपने जिले में सभी रिसोर्स की मैपिंग करके रखें। संक्रमण बढ़ने की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक जिला आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करे, ताकि आवश्यकता पढ़ने पर उपयोग किया जा सके। जन जागृति के लिये संभाग के सभी जिलों में रोको-टोको अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार कर सभी विभागों को जोड़ा गया है। अभियान के सार्थक परिणाम भी सामने आने लगे हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिले में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्वालियर जिले में एंटी बॉडी (सीरो) टेस्ट के लिये कार्यक्रम बनाया गया है। शहर के सभी 66 वार्डों में 10 हजार व्यक्तियों की सेम्पलिंग का लक्ष्य रखकर कार्य किया जा रहा है। आगामी 15 दिनों में टेस्ट का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। मेडीकल सुविधाओं को विकसित करने के साथ-साथ निजी चिकित्सालयों को भी तैयार कर लिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर उनका उपयोग किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगम हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478